सिटी टुडे

ग्वालियर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-16 , अंक 148
बुधवार
11 फरवरी 2026
पृष्ट-8 मूल्य -1
www.sititoday.com

> "आपको पता है, कड़ी मेहनत की आवाज़ होती है वह शब्दों की आवाज़ से ज़्यादा ज़ोरदार होती है।"

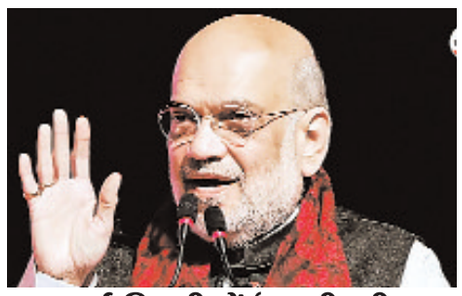

नई दिल्ली में 'एमपी की समीक्षा', शाह लेंगे क्लास

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 17 फरवरी को नई दिल्ली में सहकारिता सम्मेलन में समीक्षा करेंगे। इसमें राज्यों के सहकारिता विभागों के क्रियाकलापों की समीक्षा के साथ उनके नवाचारों पर भी चर्चा होगी।प्रदेश के सहकारिता विभाग ने भी इसकी तैयारी शुरू कर दी है।सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग भी इसमें शामिल होंगे। उन्होंने सोमवार को विभाग में किए गए नवाचार एवं उपलब्धियों से संबंधित प्रजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा चाही गई बिन्दुवार जानकारी तैयार की जाए। जानकारी पूर्णतः अद्यतन हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री ने कहा कि प्रजेंटेशन में सहकारिता विभाग की उपलब्धियों के साथ सीपीपीपी मॉडल, चीता, बीज और नवाचारों का भी समावेश किया जाए।

आयकर की दरों में बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश : राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि अगले वित्त वर्ष के बजट में आयकर की दरों में कोई बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश है। उच्च सदन में 2026-27 के बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए आप सदस्य ने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि आयकर की सीमा में वृद्धि की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को 7,133 करोड़ 17 लाख की स्वीकृति

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रूपये, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रूपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रूपये, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रूपये के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मण्डल को शुल्क की प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति जनजाति के अभ्यार्थियों को छात्रवृत्ति, कक्षा-9वीं की छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रि-परिषद की बैठक

मंत्रालय में वंदे-मातरम् गायन के साथ आरंभ हुई।

मंत्रि-परिषद ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DA-JGUA) अन्तर्गत विद्युत अधोसंरचना विस्तार द्वारा 63 हजार 77 अविद्युतीकृत घरों एवं 650 अविद्युतीकृत शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसमें केन्द्र शासन से अनुदान राशि 220 करोड़ 03 लाख रूपये तथा राज्य शासन का अंश 146 करोड़ 69 लाख रूपये का भार आयेगा। इसके अतिरिक्त (म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा) 8 हजार 521 घरों को ऑफ-ग्रिड से विद्युतीकरण के लिए अनुमानित लागत 97 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना में विद्युतीकरण से संबंधित वितरण प्रणाली निर्माण के लिए योजना लागत की शेष राशि (केन्द्र से प्राप्त अनुदान को छोड़कर) राज्य शासन द्वारा राज्य की वितरण कंपनियों को अंश-पूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा किए जाने वाले ऑफ ग्रिड विद्युतीकरण (सोलर + बैटरी) के लिए योजना के समस्त व्यय का वहन राज्य शासन द्वारा किया जायेगा।

अनुमोदन अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वितरण कंपनी स्तर पर निर्धारित सीलिंग कॉस्ट का पालन करते हुए, 2 लाख रुपये प्रति घर तक अनुमानित लागत वाली बसाहटों में राज्य की विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत अधोसंरचना निर्माण कर ऑन-लाइन प्रणाली से विद्युतीकरण किया जायेगा। खेतों पर बने घरों के साथ ही 5 घरों से छोटी बसाहटें एवं ऐसी दूरस्थ बसाहटें, जहाँ विद्युतीकरण की औसत लागत रूपये 2 लाख प्रति घर से अधिक है, उनमें म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा 1 किलोवाट क्षमता के ऑफ-ग्रिड प्रणाली (सोलर + बैटरी) से विद्युतीकरण किया जायेगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के आई टी संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की प्रचलित और भावी भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सिर्फ एक बार के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट की स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में अनारक्षित वर्ग के लिए 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है।

51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी दोहरी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने न केवल नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया, बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायगुडेम गांव के पास स्थित पहाड़ी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने 65 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) सेल और कमर पर बांधी जाने वाली दो विशेष थैली बरामद कीं। इतनी बड़ी संख्या में बीजीएल सेल की बरामदगी को सुरक्षाबल नक्सलियों की किसी बड़ी और घातक साजिश की विफलता के रूप में देख रहे हैं।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया।

भारत का पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त

नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा को बताया है कि वैश्विक उथल-पुथल की किसी स्थिति में उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश के लिए जो तेज गति से विकास कर रहा है, व्यवहार्य और सुरक्षित तेल भंडार जरुरी है, ताकि वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में वह कमजोर स्थिति में नहीं रहे। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी तट के साथ-साथ पूर्वी तट पर भी तेलशोधक संयंत्र हैं। पुरी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक आज हम विश्व में कच्चे तेल के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। कच्चे तेल की हमारे पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी शोधन क्षमता है। वर्तमान में करीब 26 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो बढ़कर 32 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष हो जाएगी और हम विश्व में पेट्रोलियम उत्पादों के पांचवें सबसे बड़े निर्यातक भी हैं। उन्होंने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार यह तय करने के लिए बनाया गया है कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की उथल-पुथल की स्थिति में, हमारे पास अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार रहे। उन्होंने कहा कि आईईए के मुताबिक रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के तहत करीब 90 दिनों का भंडार होना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी के साथ INDIA गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई।इस बैठक में संसद सत्र से जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा की गई।

नीमच सीआरपीएफ कैंप में मिला 43 दिनों से लापता जवान का कंकाल

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के केन्द्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (सीटीसी) परिसर में झाड़ियों में मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैला गई। इसी बीच कंकाल की पहचान एक लापता जवान के परिजन ने की। उन्होंने कंकाल के पास मिले मोबाइल फोन, कपड़े, जूते और अंगूठी से पहचान की। उक्त जवान संदिग्ध परिस्थितियों में 43 दिनों से कैंप से लापता था। जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ परिसर में रविवार को सफाई कराई जा रही थी। झाड़ियों की सफाई के दौरान मानव कंकाल मिला। सूचना पर सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी व जिला पुलिस बल के अधिकारी मौके पर पहुंचे। नीमच कैंट पुलिस ने पंचनामा बनाने के बाद कंकाल को जिला अस्पताल पहुंचाया। सोमवार को चिकित्सकों ने कंकाल का परीक्षण किया।

रेरा भी बिल्डर के सामने बौना साबित हो रहा है बिल्डर, सरकार तथा रेरा के नियम नहीं मानते परेशान होता है उपभोक्ता

सिटी टुडे।

भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) का भय बिल्डरों के मन से समाप्त हो गया है। बिल्डर्स रेरा के आदेश को नहीं मान रहे है। हद तो यह है कि उन्होंने अनुबंध के बाद भी समय पर ने तो ग्राहकों को मकान का पजेशन दे रहे हैं और न ही हर्जाना।

प्रदेश में रेरा का गठन वर्ष 2017 में हुआ। इसके बाद से प्रभावित लोगों द्वारा बिल्डरों के खिलाफ शिकायतें की जा रही हैं। वर्ष 2020 से रेरा ने बिल्डरों के खिलाफ आदेश पारित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इन चार-पांच वर्ष के अंदर 2 हजार लोगों की राशि वापस कराने के आदेश रेरा ने दिए।

सपनों का घर बुक करने वाले दो हजार से ज्यादा लोग हैं, जिन्हें बिल्डरों ने वायदे के अनुसार न मकान बनाकर दिया और न ली गई एडवांस राशि वापस की। ऐसे वादाखिलाफी करने वाले बिल्डरों से कलेक्टर भी वसूली करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। भोपाल, इंदौर जबलपुर ग्वालियर सहित 2 2जिलों के कलेक्टरों को को 350 करोड़ रुपए वसूल कर यह राशि आवास बुक करने वालों को लौटाना है। राजधानी भोपाल के रामसहोदर बाघमारे ने पांच साल पहले राधा बिल्डर से 40 लाख रुपए कीमत का घर बुक कराया था। लेकिन अनुबंध के अनुसार बिल्डर ने मकान बनाकर नहीं दिया । इस मामले को लेकर बाघमारे ने रेरा में अपना पक्ष रखा। भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने फैसला देते हुए कलेक्टर को आदेश दिए कि बिल्डर से अतिरिक्त राशि की वसूली की जाए।

कोर्ट के फैसलों के खिलाफ न्यायालयों में अपील

रेरा के फैसले का पालन नहीं करने पर घर बुक कराने वाले सौ से अधिक लोग कोर्ट पहुंचे हैं। कोर्ट ने कई बिल्डरों को लोगों की राशि वापस करने के फैसले सुनाए हैं। बताया जाता है कि कोर्ट के फैसलों के खिलाफ कई बिल्डरों ने हाईकोर्ट सहित अन्य न्यायालयों में अपील की है। भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के सचिव डीव्ही सिंह का कहना है कि रेरा ने 2017 के बाद से समय पर सुनवाई कर बिल्डरों को राशि वापस करने के आदेश दिए हैं। कई बिल्डर रेरा के आदेशों को नहीं मान रहे हैं, जिनके खिलाफ कलेक्टरों को वसूली के संबंध में आदेश पारित किया गया है। कोलार निवासी भोपाल मनीष तिवारी मयूरी बिल्डर ने मकान बुक करने के दौरान जो वादा किया था, उसके अनुसार घर नहीं दिया, मकान देने में भी एक वर्ष देर कर दी। रेरा ने मेरे पक्ष में फैसला दिया। बिल्डर इसका पालन नहीं कर रहा है। आयुष बिल्डर के रमेश सिंह का कहना है कि मकान बुक करते समय लोग अनुबंध और शर्तों को ठीक से नहीं देखते हैं। रेरा में चले जाते हैं, रेरा मकान बुक करने वालों की तरफ फैसला देता है। जहां तक समय में मकान नहीं देने के बात है मकान बुक कराने वाले कई बदलाव कराते हैं। इसके कारण परियोजना देर मे देर हो जाती है ।

सोमनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की उम्मीद

अहमदाबाद

ज्योतिर्लिंगों में प्रथम भगवान सोमनाथ के मंदिर में इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व ऐतिहासिक होने जा रहा है। आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहाँ लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। गिर सोमनाथ जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट ने इस विशाल जनसमूह की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं।

जिलाधिकारी एन. वी. उपाध्याय ने बताया कि पिछले महीने आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बाद से यहाँ आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल देखा गया है।

जनवरी1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जनवरी में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिरकत की थी। इस आयोजन के बाद मंदिर की लोकप्रियता और धार्मिक महत्ता को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। आंकड़ों के अनुसार, जहाँ सामान्य दिनों में यहाँ प्रतिदिन लगभग 20,000 श्रद्धालु आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 75,000 प्रतिदिन हो गई है। इसे देखते हुए महाशिवरात्रि के दिन पाँच लाख लोगों का प्रबंधन करना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। 15 फरवरी को होने वाले इस महापर्व के दौरान मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहने की संभावना है।

कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है इस पर विचार करना चाहिए: सीजेआई

नई दिल्ली

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है। उन्होंने इस याचिका पर विचार करने की बात कही। विपक्ष ने सीएम सरमा के मुस्लिमों पर निशाना लगाते वीडियो और भाषण पर आपत्ति जताई थी। शीर्ष न्यायालय में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि परेशानी यह है कि जब चुनाव आते हैं, जो कई बार उन्हें यहां सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम इसे देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया नेता एनी राजा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के 27 जनवरी को दिए भाषण पर आपत्ति जताई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट पहुंचे एडवोकेट ने कहा कि मीलॉर्ड राजनीतिक दल के सदस्य की तरफ से हेट स्पीच के खिलाफ एक याचिका दाखिल हुई है। एक वीडियो भी है, जिसमें हिमंत सरमा मुस्लिमों पर निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सीएम हिमंत सरमा के भाषण के खिलाफ 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि विशेष रूप से उच्च संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की तरफ से दिए गए इस तरह के बयानों को राजनीतिक बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सीएम सरमा ने 27 जनवरी को डिगबोई में एक कार्यक्रम में कहा कि 'मिया' समुदाय के लोगों को राज्य में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची से 'मिया' मतदाताओं के नाम हटाना केवल एक शुरुआती कदम है।

मप्र कृषि विपणन मंडी बोर्ड अधिकारियों की बनता जा रहा है चारागाह

विशेष रिपोर्ट

मध्य प्रदेश सरकार का किसानों के हितों की रक्षा करते हुए लाभ वाला मध्य प्रदेश कृषि विपणन मंडी बोर्ड भ्रष्ट अधिकारियों की विवादित कार्यशैली के कारण निरंतर न केवल अपनी साख को काम करता जा रहा है बल्कि बढ़ती हुई मंडी टैक्स चोरी को काबू करने की जगह मंडी टैक्स चोरी करवाने वाली धरातल के कर्मचारियों को उच्च अधिकारियों द्वारा संरक्षण देना नियम विरुद्ध उच्च प्रभार देकर संरक्षण देना कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के ढेर में से धुआं अब उठना शुरू हो चुका है ।

सिटी टुडे के सूत्र अनुसार बोर्ड मुख्यालय में भ्रष्टाचार की जड़ों को समाप्त करने के लिए वर्ष 2012-13 से ऑडिट ही नहीं हुआ वर्तमान में प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम तथा अतिरिक्त संचालक वित ने भी इसी परंपरा को निभाते हुए अपने कार्यकाल का ही ऑडिट करना उचित नहीं समझा बताया जाता है कि इसके लिए प्रबंध संचालक से ज्यादा दोषी राज्य वित्त सेवा के प्रथम श्रेणी अधिकारी अतिरिक्त संचालक जो 2 वर्ष के लिए बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर आए थे परंतु तीसरे वर्ष भी कार्यरत है रहकर आर्थिक अनियमिताओं करने वालों को अप्रत्यक्ष रूप से पद का दुरुपयोग कर सहयोग कर रहे हैं।बोर्ड मुख्यालय में वर्तमान में अ श्रेणी के तीन सचिव पदस्थ इनमें दो प्रबंध संचालक की कैबिनेट के सदस्य हैं उसमें भी सबसे महत्वपूर्ण श्री योगेश नागले बताए जाते हैं जिनके पास 6 अधिक महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार है बोर्ड मुख्यालय में सचिव स्तर का कोई पद नहीं है इसके विपरीत ए श्रेणी की कई मंडियां निम्न श्रेणी के सचिव एक से अधिक मंडियां चला रहे हैं परंतु बोर्ड की दाइ समझी जाने वाले इन अधिकारियों के माध्यम से ही दुधारू पशुओं का दोहन किया जाता है ।

सिटी टुडे से चर्चा करते हुए सेवा मुक्त हो चुके एक प्रथम श्रेणी अधिकारी ने बताया विगत दो वर्ष से भ्रष्टाचार कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है ज्ञात होके एक प्रथम श्रेणी अधिकारी सेवा मुक्त होने के बाद अपने हको के भुगतान के लिए उच्च न्यायालय से भी आदेश होने के बाद भ्रष्टाचार के सिस्टम को नकारते हुए संघर्ष करता रहा परंतु जब इस पूर्व अधिकारी ने अपने उत्पीड़न की अनुसूचित जाति जनजाति की शिकायत पुलिस तथा उच्च अधिकारियों की तब प्रबंध संचालक की आंखें खुली तथा संबंधित अधिकारी को उसके हक मिल सके। बोर्ड मुख्यालय में प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम की ईमानदारी के अक्सर चर्चाएं होती है कई के लोग उनकी तारीफ भी करते हैं परंतु उनकी किचन केबिनेट तथा उनके अधीनस्थ वर्षों से जमे कर्मचारीयो की कर शैली के कारण उन पर काजल की कोठरी में रहकर काले धब्बे लगाते जा रहे हैं।

सोयाबीन भावांतरण योजना के तहत अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष शिकायतें हुई जांच हुई व्यापारियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई परंतु इसमें लिप्त कर्मचारीयो के विरुद्ध निलंबन की तलवार लटका कर पहले आओ पहले पाओ के तहत सबको माफ कर दिया गया। प्रबंध संचालक के प्रयासों से 700 से अधिक कर्मचारियों को पहली बार उच्च प्रभाव को जरूर मिला परंतु उसमें 100 से अधिक ऐसे कर्मचारियों को नियम विरुद्ध पात्रता ना होने के कारण बात हुई उच्च प्रभार दे दिया गया अब इनमें से ही किसको उनकी इच्छा अनुसार कौन सी मंडी का सचिव बनाया जाए इसके लिए भी किचन केबिनेट सदस्य एक नई परंपरा को जन्म देकर चिन्हित मंडियो को अपने चेहते कर्मचारीयो को ठेका पद्धति के तहत मंडी सचिव का प्रभार सौंपने की तैयारी कर दी है।

जाति प्रमाण पत्र की जांच हुई तेज़

प्राप्त जानकारी अनुसार मंडी बोर्ड में कई ऐसे दुधारू पशुओं जैसे कर्मचारी हैं जो सामान्य अथवा पिछड़ा वर्ग के होने के बाद भी कुट रचित आधार पर अनुसूचित जाति जनजाति का प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी कर रहे हैं इनमें से कई के विरुद्ध मध्य प्रदेश पुलिस की एसटीएफ शाखा जांच भी कर रही है इसमें प्रथम श्रेणी के एक अधिकारी तथा ग्वालियर चंबल संभाग से एक दर्जन से अधिक कर्मचारी जांच के दायरे में बताए जाते जिन मे महेश माझी, राखी मांझी ,मनीराम बाथम, गौरव बाथम, सुनील बाथम ,वीरेंद्र बाथम के अलावा समीर बाथम का नाम भी बताया जाता है इनमें तीन से अधिक कर्मचारियों के विरुद्ध एसटीएफ में अपनी जांच पूर्ण कर ली है सभी के विरुद्ध आप भी प्रमाणित पाए गए हैं संभवत का जल्दी ही इन तीन-चार लोगों के विरुद्ध एसटीएफ न्यायालय में चालान प्रस्तुत कर सकता है। बताया जाता है कि जिनके विरुद्ध जल्दी ही न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जा सकता है उनको किचन कैबिनेट द्वारा उच्च प्रभार भी दे दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों को नजरअंदाज करते हुए स्टेनो से उपसंचालक बनी रश्मि कश्यप को भोपाल संभाग का प्रभारी संयुक्त संचालक बनाया गया है। सिटी टुडे को प्राप्त जानकारी अनुसार रश्मि कश्यप ने संभागीय कार्यालय भोपाल में अपनी आमद दर्ज कर दी है।

परिवर्तित मार्ग से जाएगी यशवंतपुर एक्सप्रेस

भोपाल। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बैंगलुरू मंडल के नगसमुद्रम एवं मक्काजिपल्ली यार्ड में 18 से 22 फरवरी तक नान-इंटरलाकिंग कार्य के चलते इटारसी होकर गाड़ी 12194 जबलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस 21 फरवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से एक ट्रिप पूर्व निर्धारित मार्ग की बजाय धर्मावरम-श्री सत्य साई प्रशंथी निलयम-पेनुकोंडा-हिंदुपुर होकर जायेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन के परिवर्तित मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर ले सकते हैं।

भेल में 8 टन वाली स्लाटिंग प्रेस मशीन का उद्घाटन

भोपाल। भेल के फीडर्स विभाग के प्रेस शॉप प्रभाग में सोमवार को जीएम रूपेश तैलंग, आशीष औरंगाबादकर एवं संतोष डोंगरे, की उपस्थिति में नई 8 टन स्लाटिंग प्रेस मशीन का उद्घाटन किया गया। जीएम तैलंग ने बताया कि विभाग की कार्यक्षमता एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए 8 टन स्लाटिंग प्रेस मशीन को क्रय किया है। यह मशीन, प्रेस शॉप की आईएमएम एवं ट्रैक्शन मोटर की पंचिंग निर्माण की कार्यक्षमता में वृद्धि करेगी। इस मौके पर एजीएम वेदव्रत खरे, अशोक पिप्पल, हरीश बघेल, महेंद्र कुमार सहारे आदि उपस्थित रहे।

तथ्यों की जगह अलंकरणों ने ली, इसलिए गिर रही है पत्रकारिता की साख

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'रूबरू' कार्यक्रम में बोले वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह

इंदौर

वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर में विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ा संकट बना हुआ है। पत्रकारिता से लेकर राजनीतिक क्षेत्र भी इससे बुरी तरह ग्रसित हो गया है।

श्री सिंह स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई भी क्षेत्र हो तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखना चाहिए लेकिन वर्तमान दौर में आँख मूँदकर बातें कहीं और दिखाई जा रही है। नियम और आचरण को ताक पर रख दिया गया है।

श्री सिंह ने कहा कि पहले भी सरकार के समर्थन और विरोध की पत्रकारिता होती थी, लेकिन उसमे तथ्य प्रमुख होते थे। अब विभाजक, विध्वंसक, नाकारा, पप्पू, फ़ैल जैसे अलंकरणों के साथ पत्रकारिता होने लगी है। इस वजह से पत्रकारिता की विश्वसनीयता तेजी से कम हो गयी है। सरकार का साथ देने और विरोध करने वाले दोनों ही वर्ग के पत्रकारों को दर्शक नकार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में पत्रकारिता का स्वरूप क्या होगा यह कहा नहीं जा सकता फिर भी बेहतरी की उम्मीद कायम रखना चाहिए।

उन्होंने अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी तथ्यों के आधार पर यह समाचार पत्र बड़े-बड़े खुलासे कर रहा है। इसी अखबार ने देश में आपातकाल के खिलाफ लड़ने की शक्ति दी थी और बोफोर्स जैसे सरकार हिलाने वाले मुद्दे भी देश के सामने रखे थे।

राजनीतिक विश्लेषक श्री सिंह ने कहा कि वे नरेंद्र मोदी को बहरूपिया के रूप में देखते हैं। उनके 75 रूप हैं। यह हकीकत है गुजरात के चुनाव से लेकर देश के आम चुनाव तक नरेंद्र मोदी कभी भी किसी मुद्दे पर कायम नहीं रहे हैं। नरेंद्र मोदी हो या अमित शाह इन्हें सिर्फ अपने आप से मतलब है। यह कॉर्पोरेट जगत से लेकर हिंदुत्व जैसे मुद्दों का उपयोग अपनी सुविधा से करते हैं। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि समूचे देश में विरोध और स्वायत्तता की आवाज जो दबाया जा रहा है।

प्रारंभ में श्री सिंह का स्वागत घनश्याम पटेल, पंकज क्षीरसागर, यशवर्धन सिंह, राजेन्द्र कोपरगांवकर एवं दीपक माहेश्वरी ने किया। स्मृति चिन्ह सोनाली यादव ने भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण खारीवाल ने किया। श्री सिंह लंबे अरसे तक जी-न्यूज के सम्पादक रहे हैं। वर्तमान में वे एनडीटीवी और न्यूज 18 से जुड़े हुये हैं। देश के विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म पर उन्हें बे-बाक टिप्पणी करते हुए देखा जा सकता है।

अव्यवस्थाओं से जूझती सैकड़ों गर्भवती महिलाएं पहुँचीं तहसील कार्यालय

बैरसिया

सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए पहुँची सैकड़ों गर्भवती महिलाओं को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। इनमें कई महिलाएं सातवें एवं आठवें माह की गर्भावस्था में थीं, जिन्हें घंटों खड़े रहना पड़ा। अस्पताल परिसर में बैठने के लिए कुर्सियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, वहीं पीने के पानी की सुविधा भी सुचारू नहीं पाई गई। जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल में प्रतिदिन केवल 50 सोनोग्राफी की क्षमता है, जबकि एक ही दिन में करीब 200 से अधिक गर्भवती महिलाओं को बुला लिया गया। अधिकांश महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों से सुबह-सुबह लंबी दूरी तय कर अस्पताल पहुंचीं, जिससे उनकी शारीरिक परेशानी और बढ़ गई। पूछताछ में सामने आया कि आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में महिलाओं को एक साथ बुलाए जाने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई। अव्यवस्था से परेशान वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद प्रतिनिधि रवि करोसिया, पार्षद राधे पटेल एवं सैकड़ों गर्भवती महिलाएं तहसील कार्यालय पहुँचीं, जहां व्यवस्थाओं को लेकर विरोध दर्ज कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार दिलीप चौरसिया ने तत्काल संज्ञान लिया और राजस्व टीम के साथ सिविल अस्पताल पहुँचकर स्वयं स्थिति का निरीक्षण किया।

पुलिस की सुरक्षित छवि समाज के लिए महत्वपूर्ण : गौर

भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में युवतियों पर हमला कर दहशत फैलाने वाले कथित कटर मैन बदमाश को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को सोमवार को सम्मानित किया। कार्रवाई में पिपलानी, अयोध्या नगर, गोविंदपुरा और अवधपुरी थानों की पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्रीमती गौर ने पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की सुरक्षित और भरोसेमंद छवि समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज में घट रही गंभीर घटनाओं पर समय पर कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसमें सहयोग करना स्थानीय नागरिकों की नैतिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी बदमाश की गिरफ्तारी बड़ी उपलब्धि है। राज्यमंत्री ने पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से जनता का विश्वास मजबूत होता है और अपराधियों में कानून का डर पैदा होता है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने सभी कार्यकर्ता दें अपना अमूल्य योगदान

भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने सोमवार के सीहोर जिला कार्यालय में कामकाजी बैठक, जनप्रतिनिधियों की बैठक और जिला कोर ग्रुप की बैठकें ली। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए कार्य रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। वर्ष 2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। पार्टी के सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विकसित बनाने में अपना अमूल्य योगदान दें। कामकाजी बैठक को संभाग प्रभारी डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान एवं जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने भी संबोधित किया। इस दौरान मंच पर प्रदेश शासन के मंत्री करण सिंह वर्मा, विधायक रमाकांत भार्गव, जिला प्रभारी विकास विरानी, विधायक सुदेश राय एवं गोपाल इंजीनियर उपस्थित रहे।

पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक करें मजबूत

श्री जामवाल ने कहा कि जिले के सभी पार्टी पदाधिकरी मंडल और शक्ति केंद्रों तक प्रवास करें और कार्यकर्ताओं के साथ बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को और मजबूत करने के लिए कार्य करें। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारें गरीबों, युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के हर वर्ग के लोगों कल्याण, आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। आप सभी पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर तक संपर्क कर डबल इंजन सरकार की हितग्राही मूलक और जनकल्याणकरी योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं और पात्र हितग्रहियों को उनका लाभ दिलाने के लिए कार्य करें। बैठक में जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री, मण्डल अध्यक्ष व महामंत्री, नगरपालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष उपस्थित रहे।

जनसंघ कार्यकर्ता के निवास पर पहुंचकर किया सम्मान

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल ने जनसंघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता किशन पचौरी के निवास पहुंचकर सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने किशन पचौरी के साथ लोकेंद्र मेवाड़ा, मांगीलाल सोलंकी, अशोक सिसोदिया, श्री राजकुमार गुप्ता, मोहन चौरसिया, राजेन्द्र शर्मा से मुलाकात कर उनके अनुभवों पर

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण करेगा बड़ा तालाब और उससे जुड़े बांधों की निगरानी

भोपाल

राजधानी भोपाल के बड़े तालाब और उससे जुड़े बांधों की निगरानी और सुरक्षा प्रबंध अब राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ऑनलाइन करेगा। यह बांध राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकारण (एनडीएसए) की सूची में शामिल कर लिए गए हैं।

एनडीएसए के चेयरमैन अनिल जैन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम विगत दिनों नगर निगम के जल कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ भदभदा और कलियासोत बांध का विस्तृत निरीक्षण कर चुकी है।

एनडीएसए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की देखरेख में काम करता है। अब यह प्राधिकरण समय-समय पर बांधों का निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट करेगा और जरूरी दिशा-निर्देश जारी करेगा, जिनका पालन स्थानीय प्रशासन को अनिवार्य रूप से करना होगा।

टीम ने किया गहन निरीक्षण

यह पहला अवसर है जब एनडीएसए की टीम ने बड़े तालाब का निरीक्षण किया है। निरीक्षण से संबंधित डेटा और अवलोकन धर्मा डीएचएआरएमए) पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं, जो बांध सुरक्षा निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है। निरीक्षण के दौरान टीम ने भदभदा बांध की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए एक गेट को कुछ देर के लिए खोला था। झील के जलस्तर पर कोई प्रभाव न पड़े, इसलिए गेट को कुछ ही मिनटों में बंद कर दिया। इसके बाद टीम ने कलियासोत बांध पर भी जांच की। इस प्रक्रिया के साथ ही बड़े तालाब और कलियासोत बांध को केंद्रीय सुरक्षा तंत्र के अधीन कर दिया है।

एनडीएसए की सूची में 15 मीटर से ऊंचे बांध

एनडीएसए उन बांधों को सूचीबद्ध कर रहा है जिनकी ऊंचाई 15 मीटर से अधिक है अथवा जो अंतर्राज्यीय नदियों से जुड़े हैं, ताकि सुरक्षा के समान मानक और नियमित ऑडिट सुनिश्चित किए जा सके। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा (एनडीएस), बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के तहत स्थापित एक वैधानिक नियामक संस्था है, जो देश भर के बांधों की सुरक्षा, निगरानी, निरीक्षण और रखरखाव मानकों को सुनिश्चित करती है। यह केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय, आपातकालीन योजनाएं बनाने और जोखिम कम करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

विधानसभा सत्र के दौरान धारा 163 लागू रहेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा के नवम सत्र के दौरान राजधानी भोपाल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। यह आदेश 16 फरवरी 2026 से 6 मार्च 2026 तक प्रभावशील रहेगा। पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक रहेगी। इस प्रकार की भीड़ को गैरकानूनी माना जाएगा।

एक कॉल पर होगा शिकायतों का निराकरण

भोपाल। अवैध कटाई, वन्यजीव अपराध और अतिक्रमण जैसी शिकायतों पर वन विभाग की 'क्विक एक्शन' योजना शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने वन मुख्यालय, तुलसीनगर भोपाल में स्टेट फॉरेस्ट कॉल सेंटर शुरू कर दिया है। यहां आमजन सीधे अपने शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इस कॉल सेंटर में अवैध कटाई, वन्यजीव अपराध, अतिक्रमण और अन्य वन-संबंधी विषयों का निराकरण किया जाएगा।

व्यापारियों की समस्याएं दूर करूंगा : गोयल

भोपाल

राजधानी के व्यापारी मेरा परिवार है। इनके हितों और उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया है। उक्त बात व्यापारियों की शीर्ष और प्रतिष्ठित संस्था चेंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के कार्यालय में नवनियुक्त अध्यक्ष गोविंद गोयल ने अपनी नई टीम के साथ पदभार ग्रहण करते हुए कही। इससे पहले पूजा अर्चना करने के साथ सभी ने व्यापारियों और भोपालवासियों के लिए मंगलमय जीवन की कामना की। पं. लेखराज शर्मा ने विधि-विधान से पदभार ग्रहण कराया। कार्यालय रजिस्टर में सभी ने हस्ताक्षर किए। चेंबर के पूर्व अध्यक्ष आकाश गोयल ने नए अध्यक्ष गोयल को कार्यभार सौंप दिया। श्री गोयल ने कहा कि मैं अलग-अलग व्यापारिक संगठन से मेल मुलाकात कर उनकी समस्याएं दूर करूंगा। मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट पीसी कोठारी एवं पर्यवेक्षक वैभव चौधरी का गोयल ने आभार माना। कोठारी ने व्यय का लेखा-जोखा बताया। इस मौके पर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के महामंत्री ललित तातेड, उपाध्यक्ष दय अरविंद जैन सुपारी, कमल पंजवानी, आदित्य मनिया, प्रदीप अग्रवाल, वीनस मंत्री सुनील जैनाविन, संजीव जैन, अजय देवनानी, कोषाध्यक्ष प्रदीप सेवानी आदि उपस्थित रहे।

आधा घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर नहीं पहुंच पाए, तो नहीं मिलेगा प्रवेश

भोपाल

प्रदेश में 12 वीं बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से अग्रेजी प्रश्नपत्र के साथ शुरू होने जा रही है। वही 10 वीं की परीक्षा 13 फरवरी से होगी। इन दोनों परीक्षाओं में करीब 16 लाख से ज्यादा छात्र शामिल होंगे। इसके लिए छात्र को परीक्षा केंद्र पर आधा घंटे पहले यानी 8.30 बजे से पहले पहुंचाना होगा, वरना प्रवेश नहीं मिलेगा। सभी परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक होंगी।

इस बार प्रदेश में दोनों परीक्षाओं में करीब 16 लाख स्टूडेंट्स शामिल होंगे। इनमें 9 लाख 7 हजार विद्यार्थी कक्षा 10 और करीब 7 लाख छात्र कक्षा 12 के परीक्षा में बैठेंगे। बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रदेश में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। भोपाल में 10 वीं के 30 हजार 746 और 12 वीं के 26 हजार 627 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। इन छात्रों के लिए भोपाल में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए गए हैं। इनमें से दो स्क्वॉयड विकासखंड स्तर पर और दो जिला स्तर पर काम करेंगे। हर स्क्वॉयड में तीन-तीन सदस्य होंगे, जोकि तीनों पुलिस या प्रशासनिक स्तर के अधिकारी रहेंगे। किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई कर सकें। बोर्ड ने नकल पर अंकुश लगाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसके लिए फ्लाइंग स्क्वॉयड, सीसीटीवी निगरानी और थानों से प्रश्न-पत्र निकालने तक की वीडियोग्राफी की जाएगी। इससे पेपर की सुरक्षा पर पूरी तरह सुनिश्चित हो सकेगी।

भोपाल में बने 16 अतिसंवेदनशील केंद्र

जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल एनके अहिरवार ने बताया कि जिले में 104 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं होगी। इनमें से 16 अतिसंवेदनशील केंद्र होंगे। परीक्षार्थियों को सुबह 8.30 बजे के बाद किसी भी हालत में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ रोकने के भी इंतजाम किए गए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए और नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इन केंद्रों पर होने वाली गतिविधियों पर भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय में बने कंट्रोल रूम से सीधी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा थानों से प्रश्न-पत्र निकालने के दौरान भी वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है और सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती की गई है।

दिव्यांगों ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी ब्यूरो। अल्प प्रवास पर शिवपुरी आए नि:शक्तजन आयुक्त अजय खेमरिया को दिव्यांग कल्याण विकास परिषद के बैनर तले दिव्यांगों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें दिव्यांगों की पेंशन 600 से बढ़कर 5000 प्रतिमाह करने, नगरीय निकाय की दुकानों में छह प्रतिशत आरक्षण पर दुकान आवंटित करने, दिव्यांग एक्ट 2016 को लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान दिव्यांग कल्याण विकास परिषद के राष्ट्रीय सचिव अजमेर सिंह पाल, जिलाध्यक्ष जहूर खान, जिला संरक्षक संतोष शर्मा, जिला सचिव पवन रजक, लखनलाल जाटव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की धुरी है भारतीय संस्कृति

शिवपुरी । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में स्वस्थ तन एवं स्वच्छ मन वाले व्यक्तियों एवं सभ्य समाज के निर्माण के लिए संचालित 'आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी' आंदोलन का एक दिवसीय प्रशिक्षण गायत्री शक्तिपीठ फिजिकल रोड पर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में शिवपुरी, कोलारस, करैरा व रन्नोद के भाई-बहन शामिल हुए। कार्यक्रम में आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी कार्यक्रम की जिला समन्वयक विजय लक्ष्मी शर्मा, टोली नायक विदुषी शशि मिश्रा, जिला समन्वयक डॉ. पीके खरे, संतोष सोनी, सविता सोनी, भावना पाराशर, सविता धाकड़, आशुतोष शर्मा गुना उपजोन, मुख्य प्रबंध ट्रस्टी अनिल रावत उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ देव पूजन व दीप प्रज्वलित कर किया गया।

पारदर्शिता से बोर्ड परीक्षाएं संपन्न कराने जिले में व्यापक व्यवस्थाएं

दतिया

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षा पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न के उद्देश्य से जिले के समस्त 33 परीक्षा केन्द्रों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर कलेक्टर प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों के निरीक्षण दल गठित किए गए हैं जो स्थायी रूप से सभी केन्द्रों पर पूरे समय उपस्थित रहकर सतत रूप से निगरानी करेंगे। शिक्षा विभाग का पृथक निरीक्षण दल भी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर तैनात रहेगा जो परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी करेगा।

जिले में सात संवेदनशील एवं एक अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्र चिह्नित किए गए हैं। जहां विशेष सुरक्षा बल की व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निरंतर निगरानी की जाएगी। केन्द्र अध्यक्ष एवं सहायक केन्द्र अध्यक्षों को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विभिन्न समीक्षा बैठकों में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा पूर्णत: निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संचालित की जाए। किसी भी प्रकार की अनुचित व अप्रिय गतिविधि न होने पाए।

जिलाधीश स्वप्निल वानखड़े ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सजगता के साथ अपने-अपने केन्द्रों पर नकल मुक्त परीक्षा संपन्न सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं ताकि परीक्षा सुव्यवस्थित एवं निर्विघ्न संपन्न हो। बोर्ड परीक्षा में जिले में नियमित परीक्षार्थी हाईस्कूल (10वीं) में 9,863 तथा हायर सेकेण्डरी (12वीं) में 7,726 विद्यार्थी कुल 17,589 परीक्षार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल में स्वाध्यायी परीक्षार्थी 305 एवं हायर सेकेण्डरी में स्वाध्यायी

रघुनाथपुर से आगे तक बिछाया रैक पैनल, मालगाड़ी से ली गई ट्रॉयल

रघुनाथपुर। ग्वालियर से श्योपुर तक मेमो ट्रेन का कार्य प्रगति पर चल रहा है। रघुनाथपुर तक ट्रेन संचालित करने के लिए वीरपुर से रघुनाथपुर के आगे तक रैक पैनल (फाइल पटरी) डाला गया। इस दौरान रघुनाथपुर तक मालगाड़ी चलाकर ट्रेक की ट्रायल भी ली गई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार वीरपुर से रघुनाथपुर तक सेक्सन कम्पलीट हो चुका है। रघुनाथपुर से आगे का फाइलन ट्रेक तैयार किया जा रहा है। इसी के चलते सोमवार को रघुनाथपुर से आगे तक रैक पैनल (फाइल पटरी) डाली गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार रेल संरक्षण आयोग (सीआरएस) और प्रधान मुख्य अभियंता (ईआईजी) के निरीक्षण के बाद रेलवे ट्रेक पर यात्री ट्रेन दौड़ने लगेगी।

ट्रेन को देखने लगी भीड़

वर्षों बाद कस्बे में पहुंची मालगाड़ी को देखने के लिए रघुनाथपुर सहित आस-पास के ग्रामीण एकत्रित हो गए। लोगों के बीच ट्रेन को लेकर जबदस्त उत्साह देखा गया। झांसी मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रघुनाथपुर तक ट्रेक कम्पलीट है। आगे का ट्रेक तैयार किया जा रहा है।

पूर्व छात्रों ने सरस्वती शिशु मंदिर को भेंट की 32 इंच की टीवी

दतिया। ग्राम भारती शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय भरसूला के पूर्व छात्रों ने मिलकर विद्यालय को 32 इंच की टीवी भेंट की है। इस अवसर पर ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में भैया-बहनों को सहायता दी जाएगी। शिशु वाटिका के बच्चों का पढ़ाई के साथ साथ मनोरंजन के अवसर भी दिए जाएंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजय सिंह रावत, आचार्य गजेन्द्र सिंह रावत, धर्मेन्द्र सिंह रावत, राकेश सिंह रावत, निर्जला रावत, अंजली रावत, संदीप रावत, रामसजीवन रावत, जयदेव केवट, सुरेन्द्र सिंह रावत, दीपक रावत आदि पूर्व छात्र एवं आचार्य परिवार उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा: ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

श्योपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही परीक्षा केन्द्रों के आसपास धरना, जुलूस, सभा, रैलियों का प्रदर्शन भी गत दिनों जारी आदेश के माध्यम से प्रतिबंधित किया गया है। उक्त आदेशों का कड़ाई से पालन कराने के संबंध में श्योपुर, विजयपुर, कराहल के एसडीएम-एसडीओपी को निर्देश जारी किये गये हैं। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजन के दौरान एवं विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण को दृष्टिगत रखते हुए किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है।

पिछोर विधायक पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप

शिवपुरी

सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित अग्रवाल और पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय सिंह चौहान के नेतृत्व में पिछोर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ को एक ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों पर कथित अत्याचारों की शिकायत की।

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि पिछोर विधायक प्रीतम लोधी द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भय और आतंक का माहौल बना हुआ है। जिससे आम लोग न्याय के लिए भटक रहे हैं।

चौहान ने खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम सिनावलकलां का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां असामाजिक तत्वों का आतंक है। उन्होंने कहा कि गांव के पूर्व सरपंच भगवान सिंह को हालात से परेशान होकर गांव छोड़ना पड़ा और वे अपनी खेती तक नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीण अवधेश बुंदेला की लगभग 40 क्विंटल मूंगफली की फसल में आग लगाए जाने की घटना का भी उल्लेख किया गया। ग्राम सिनावलकलां में अवधेश बुंदेला के नलकूप पर हुई लूट का भी जिक्र किया गया। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सही धाराओं में प्रकरण दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ितों को समय रहते न्याय नहीं मिला तो पार्टी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

शिवपुरी स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय महिला गिरी

प्लेटफॉर्म और ट्रैक के बीच फंसी, जीआरपी जवान ने बचाई जान

शिवपुरी

शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी ट्रेन में चढ़ते समय एक महिला संतुलन बिगड़ने से प्लेटफॉर्म और डिब्बे के बीच रेलवे ट्रैक पर गिर गई। मौके पर तैनात जीआरपी जवान ने तत्परता दिखाते हुए महिला को तुरंत बाहर खींच लिया। जिससे उसकी जान बच गई। घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुरानी शिवपुरी निवासी विजयलता मिश्रा अपने पत्नी श्याम मिश्रा के साथ भोपाल जाने के लिए स्टेशन पहुंची थीं। वे सुबह करीब 8:30 बजे ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी ट्रेन पकड़ने आई थीं। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई और धीमी गति से चलने लगी तो विजयलता ने डिब्बे में चढ़ने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह प्लेटफॉर्म और डिब्बे के बीच ट्रैक पर गिर गईं।

यात्री ने चेन खींची जवान ने निकाला

घटना के वक्त ड्यूटी पर मौजूद जीआरपी आरक्षक ललित कुमार तुरंत हरकत में आए और महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं ट्रेन में सवार शिवपुरी के फिजिकल थाना क्षेत्र निवासी जाकिर ने चेन खींचकर ट्रेन को रोक दिया। महिला को प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। जहां उनका इलाज जारी है। इसके बाद ट्रेन भोपाल के लिए रवाना हुई। इस संबंध में जीआरपी थाना शिवपुरी के निरीक्षक देवेन्द्र कुमार ने बताया कि महिला ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया था जिससे हादसा हुआ। समय पर आरक्षक ललित कुमार की सतर्कता से महिला की जान बच गई। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि चलती ट्रेन में चढ़ने का जोखिम न लें और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

बारिश, ओलावृष्टि व नकली कीटनाशक से फसल खराब

54 गांव प्रभावित, कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों ने मांगा मुआवजा

शिवपुरी

शिवपुरी जिले में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और नकली कीटनाशकों के उपयोग से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। इसी संबंध में भारतीय किसान संघ शिवपुरी ने सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश को एक ज्ञापन सौंपा है।

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कोलारस, बदरवास, रन्नौद, शिवपुरी, करैरा और पिछोर तहसील के 54 गांवों में ओलावृष्टि और बारिश से फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। संगठन ने प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा और फसल बीमा की राशि सीधे उनके खातों में डालने की मांग की है। किसानों ने बताया कि अग्रवाल कृषि सेवा केन्द्र खतौरा से बेची गई कथित नकली कीटनाशक दवाओं के कारण रन्नौद और बदरवास तहसील के 12 गांवों में चना और मसूर की फसलें खराब हो गईं।

किसानों के अनुसार इन दवाओं के उपयोग से पूरी फसल नष्ट हो गई है। जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान अपनी खराब फसलें लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने बताया कि फसलें नष्ट होने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जिससे परिवार के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने शीघ्र मुआवजे की मांग की है ताकि स्थिति और न बिगड़े। भारतीय किसान संघ ने प्रशासन से नकली कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित किसानों को तत्काल राहत प्रदान करने का आग्रह किया है।

बक्सनपुर गौशाला में गौवंश को नहीं मिल रहा नियमित आहार

करैरा

तहसील पिछोर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बक्सनपुर की शासकीय गौशाला में पशुओं के भरण-पोषण को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरपंच एवं सचिव द्वारा गौशाला के नाम पर शासन से मिलने वाली राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है जबकि गौशाला में रह रहे गौवंश को न तो समुचित आहार दिया जा रहा है और न ही पीने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला में हालात इतने खराब हैं कि लगातार पशुओं की मृत्यु हो रही है लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जब इस संबंध में पंचायत सचिव से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि वर्तमान में गौशाला में 105 गाय मौजूद हैं शासन की ओर से प्रति पशु 40 प्रतिदिन की राशि गौशाला संचालन के लिए दी जाती है। इसके बावजूद यदि पशुओं को चारा, पानी और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

पात्रतानुसार योजनाओं में लाभ दिया जाए

श्योपुर

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शासन की 106 योजनाओं में पात्रतानुसार हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया जायें। यह अभियान गत 12 जनवरी से 31 मार्च तक जारी रहेगा। इसके अंतर्गत वर्तमान में पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके उपरांत 16 फरवरी से कलस्टर लेबल पर शिविर लगाये जायेंगे। यह निर्देश जिलाधीश अर्पित वर्मा ने अभियान की समीक्षा बैठक के दौरान दिए हैं। अभियान की समीक्षा में पाया गया कि अभी तक विभिन्न योजनाओं से संबंधित 32 हजार 644 आवेदन प्राप्त हुए है, जिसमें से 16 हजार

179 आवेदन स्वीकृत किये गये है और 4 अस्वीकृत हुए है, 16 हजार 461 लंबित है। उन्होंने निर्देश दिये कि लंबित आवेदनों का निराकरण गंभीरता से सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किया जायें। समीक्षा के दौरान विजयपुर नगर परिषद में प्राप्त आवेदनों की संख्या 1260 होने पर सीएमओ विजयपुर को आवेदनों की संख्या बढाने तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये गये,। इसके साथ ही पीओ डूडा को निर्देश दिये कि आवेदन संख्या कम होने पर सीएमओ विजयपुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाये। इसी प्रकार मत्स्यपालन से जुडे हितग्राहियों एवं पशुपालको के केसीसी कार्ड बनाये जाने के संबंध में निर्देश दिये गये।

केन्द्रीय बजट की विशेषताओं पर व्यापारियों से की चर्चा

व्यापार-उद्योग को बढ़ावा देने वाला है केन्द्रीय बजट: जैन

शिवपुरी

केन्द्रीय बजट 2026-27 को लेकर भाजपा पदाधिकारियों और व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें बजट की बारीकियों और विभिन्न वर्गों के लिए इसके संभावित लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि बजट गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों के लिए कितना उपयोगी है।

बैठक में व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने बजट के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें समाज के सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। व्यापार और उद्यम को

बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। पूर्व विधायक नरेन्द्र विरथरे ने कहा कि यह कोई चुनावी बजट नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में जो प्रावधान रखे हैं वह विकासशील भारत को 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सहायक होंगे। कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन जैन ने भी बजट को व्यापारी वर्ग के लिए फायदेमंद बताया और कहा कि यह बजट देश के विकास के लिए है।

भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने विकसित भारत की कल्पना को साकार करने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के समग्र विकास और आर्थिक मजबूती के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और व्यापारियों को बजट के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया और इसे आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में बजट की प्रमुख योजनाओं और उनके संभावित प्रभावों पर चर्चा करते हुए जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। अंत में आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी ने किया।

स्वास्थ्य शिविर में की गई 55 गर्भवती महिलाओं की जांच

श्योपुर। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व वंदन योजना अंतर्गत आज बड़ौदा व विजयपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर शिविरों का आयोजन किया गया। सीएमएचओ डॉ. दिलीप सिकरवार ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयपुर में आयोजित शिविर में स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा त्यागी द्वारा 55 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच की गई। जिसमें 12 हाईरिस्क चिन्हित की गईं। इसी प्रकार बड़ौदा में आयोजित शिविर में स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. मासूम जाहिरा द्वारा 51 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच कर 11 गर्भवती महिलाओं को हाईरिस्क के रूप में चिन्हांकन कर उन्हें स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में महिला चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान हरी सब्जी, दूध आदि का सेवन करने एवं पर्याप्त मात्रा में पानी पीने सहित अन्य परामर्श दिया गया।

कहो तो कह दूं – खुद हैरान हूं अपने सब्र का पैमाना देखकर तूने याद भी ना किया...

चैतन्य भट्ट

एक बड़ा मशहूर शेर है खुद हैरान हूं अपने सब्र का पैमाना देखकर तूने याद भी ना किया और मैने इंतजार भी नहीं छोड़ा। ये शेर भारतीय जनता पार्टी के उन तमाम नेताओं पर खरा उतरता है जो बेचारे पिछले तीन सालों से निगम, मंडलों, प्राधिकरण,और आयोगों में नियुक्ति की राह देख रहे हैं। जब कोई खबर आती है कि बस अब जल्द ही इनमें नियुक्तियां होने वाली है ये तमाम नेता सफेद कलफ लगा कुर्ता पजामा पहनकर तैयार हो जाते हैं कि बस अब जाकर पदभार संभालना है। कितने त्यौहार बीत गए, कितने चुनाव हो गए, कितनी बड़ी-बड़ी घटनाएं हो गई, लेकिन उन बेचारों की किस्मत का ताला नहीं खुल पाया।पहले कहा बिहार चुनाव निबट जाए, फिर कहा मंत्रिमंडल का फैसला हो जाए, फिर कहा महाराष्ट्र में निकायों के चुनाव हो जाएं, सारे बड़े नेता उधर बिजी हैं, फिर कहा कि अभी महापौरों के लिए झगड़ा चल रहा है पहले इसका निबटारा हो जाए,उसके बाद कहा साल के आखिरी दिनों में क्या निर्णय लेना , नया साल आ जाने दो जो कुछ होगा नए साल में ही होगा, फिर कहा मकर संक्रांति निकल जाने दो, सूर्य उत्तरायण में आ जाए, फिर खबर दी कि नहीं छब्बीस जनवरी निकल जाए उसके बाद करते हैं, सुना है ये सब भी जब निकल गए तो बड़े नेताओं ने खबर भेज दी है की होली के पहले क्यों किसी का रंग फीका करें एक बार होली निकल जाए फिर करते हैं नियुक्तियां। अपने को तो लगता है कि होली क्या, शिवरात्रि, रामनवमी, राखी, दशहरा, दिवाली सब निकल जाएंगे लेकिन इन नेताओं की किस्मत नहीं खुलने वाली। तीन बरस हो गए आखिर कितना इंतजार करें ये नेता लोग, जिनको मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला वे भी आशा में है कि चलो कम से कम निगम मंडल के अध्यक्ष बन जाएंगे राज्य मंत्री या कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल जाएगा पीली बत्ती वाली गाड़ी में बड़े-बड़े अक्षरों में लिख लेंगे राज्य मंत्री या कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त, लेकिन पता नहीं कौन सी किस्मत लेकर आए हैं बेचारे नेता। अपने को तो लगता है की देखते-देखते दो साल और बीत जाएंगे और फिर मध्य प्रदेश में चुनाव शुरू हो जाएंगे फिर यही कहा जाएगा कि यार इस बार तो नहीं लेकिन अगर इस बार सरकार बन गई तो पक्का नियुक्तियां हम कर देंगे ,अब देखना यह है कि इसके बाद भी कौन से त्योहार का बहाना बीजेपी का हाई कमान लेता है क्योंकि त्यौहार तो हर साल आते हैं जैसे पिछले तीन सालों में कितने त्योहार निकल गए वैसे ही अगले दो सालों में बहुत सारे त्यौहार निकल जाएंगे लेकिन उनकी किस्मत का त्यौहार शायद ना आ पाए लेकिन यह भी तय मान लो कि ये तमाम नेता उस गाने को अपने में आत्मसात किए हुए हैं हम इंतजार करेंगे हम इंतजार करेंगे तेरा कयामत तक, खुदा करे कि कयामत हो और नियुक्तियां हो जाएं।

पहले सोचो फिर बोलो

लगता है आजकल नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी के स्टार पर गड़बड़ चल रहे हैं कुछ बोलते हैं कुछ सोचते हैं और मुंह से कुछ निकल जाता है। पिछले दिनों एक पत्रकार के संग जो कुछ भी हुआ उससे उनकी इतनी भद्र पिटी कि उनको माफी मांगना पड़ी और तो और इंदौर के अखबारों में इंदौर का बेटा कहकर बड़ा भारी विज्ञापन भी छपवाना पड़ा, उन्हीं के इलाके में दूषित पानी से कई लोगों की मौत हो गई अब एक और बयान उनके मुंह से निकल गया कि कोई लोक निर्माण मंत्री है और उनके बेटे के कपड़े ठेकेदार सिलवा रहे हैं। अब अपने प्रदेश में तो लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह हैं और मजे की बात तो ये है कि जिनके बेटे के कपड़े सिलवाने की बात विजयवर्गीय जी कह रहे हैं उनका बेटा ही नहीं है उनकी बेटियां हैं। जब बहुत हल्ला मचा तो फिर उन्होंने अपना एक स्पष्टीकरण जारी किया कि मेरा मतलब यह नहीं था मेरा इशारा किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं था मैं एक समग्र रूप से बात करना चाहता था। पता नहीं क्या हो गया है जिंदगी खपा दी राजनीति करते-करते लेकिन क्या कहना है और क्या नहीं कहना ये वे आज तक नहीं समझ पाए। कहते हैं ना जब वक्त बुरा आता है तो सारे पांसे उल्टे पड़ जाते हैं यही लगता है अपने कैलाश जी के साथ में हो रहा है। अपनी तो कैलाश जी को एक ही सलाह है कि या तो दो-चार महीने का मौन व्रत धारण कर लो ना कुछ बोलोगे ना किसी से पंगा होगा और यदि मौन व्रत नहीं रखना है तो क्या बोलना है पहले उसको आईने के सामने खड़े होकर दस बार बोलो और किसी हिंदी के विद्वान से पहले उसको चेक करवा लो कि इसमें कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं है जब वहां से क्लियरेंस मिल जाए तब ही जाकर कुछ कहो वरना आए दिन ऐसी ही छीछालेदर सहना पड़ेगी।

एक एंग्री ओल्ड मैन

अमिताभ बच्चन ने जब प्रकाश मेहरा की फिल्म जंजीर की थी और उसमें जो रोल किया था उसके बाद से उनका नाम एंग्री यंग मैन हो गया था। अपने जबलपुर में भी एक नेता है जो अब एंग्री यंग मैन तो नहीं बल्कि एंग्री ओल्ड मैन के रूप में जाने जाने लगे हैं और वो हैं पाटन क्षेत्र के विधायक अजय बिश्नोई जी अपनी सरकार को अपनी ही सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरने में कभी कोताही नहीं बरती। जब भी ऐसे मुद्दे आए जो जनमानस से जुड़े हो उसमें वे खुले रूप से शासन की खटिया खड़ी करते रहे। हाल ही में बरगी बांध की नहर टूटने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया में ये लिखा कि इस संदर्भ में मुख्यमंत्री का ध्यान कई बार आकृष्ट करवाया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई और अब भी यदि कार्यवाही नहीं की गई तो वे धरने पर बैठने से पीछे नहीं हटेंगे।अपने को तो ये मालूम है कि भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन का डंडा चलता है और कोई भी पार्टी का व्यक्ति अपनी सरकार या अपने नेता के खिलाफ सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर नहीं कह सकता लेकिन अजय भाई की खासियत है कि वे इस बात की परवाह नहीं करते कि पार्टी उनके बारे में क्या सोचेगी या क्या कार्यवाही करेगी शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में जब तीसरी बार मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तब महाकौशल और विंध्य क्षेत्र से किसी को मंत्री नहीं बनाया गया था तब भी उन्होंने यही लिखा था कि महाकौशल और विंध्य फड़फड़ा तो सकते हैं लेकिन उड़ नहीं सकते। गाहेबगाहे जब भी ऐसी कोई स्थिति बनती है अजय भाई बिना किसी लाग लपेट के अपनी सरकार को घेरने में कोई दया नहीं दिखाते। अपना तो मानना है कि एंग्री ओल्ड मैन अजय बिश्नोई इसी तरह से महाकौशल की समस्याओं को लेकर मुखर बने रहे कोई नेता तो ऐसा है जो ऐसे मुद्दों पर अपनी राय सोशल मीडिया और ट्वीट के जरिए आम लोगों तक और सरकार तक पहुंचाता है।

विचार मंथन

सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि 'सदन नियम और परंपरा से चलेगा' अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को 'गद्दार' कहता है, तब वह सदन की मर्यादा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे 'आउट ऑफ प्रोसीडिंग' बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है।

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

चिंतन मनन

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

हक से परिणाम तक : MGNREGA को VB.G RAM G में रूपांतरित करने का कारण

सार्वजनिक नीति का मूल्यांकन भावनाओं या राजनीतिक प्रतीकों के आधार पर नहीं, बल्कि परिणामों के आधार पर होना चाहिए। स्न्नहत्रक्रश्चन्न की जगह विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम. 2025 (VB GRAM G) लाए जाने के बाद विरोध शुरू हए हैं। आलोचकों का कहना है कि यह नया कानून मजदूरों के अधिकार कमजोर करता है, राज्यों पर बोझ बड़ाता है, केंद्र का नियंत्रण बढ़ाता है और महात्मा गांधी का नाम हटाता है। लेकिन ये आपत्तियाँ कई बार नीति की वास्तविकता से ज्यादा राजनीतिक लगती हैं।

मुख्य तर्क यह दिया जा रहा है कि VB GRAM G अधिकार आधारित व्यवस्था को खत्म कर रहा है। लेकिन स्न्नहत्रक्रश्चन्न के अनुभव से स्पष्ट है कि केवल कानून में अधिकार लिख देने से ही सशक्तिकरण नहीं होता। मजदूरी भुगतान में देरी, काम की मांग पूरी न होना घटिया परिसंपत्तिया और असमान क्रियान्वयन जैसी समस्याओं ने योजना को कमजोर किया यदि किसी योजना में समय पर और सही तरीके से लाभ नहीं मिल रहा. तो वह अधिकार व्यवहार में अर्थहीन हो जाता है। VB GRAM G सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं करता बल्कि समय-सीमा तय करके परिणाम आधारित फंडिंग और जवाबदेही बढ़ाकर व्यवस्था को सुधारने की कोशिश करता है।

यह नया कानून विकास की सोच में बदलाव को भी दिखाता है। MGNREGA मुख्य रूप से ग्रामीण संकट के समय राहत देने के लिए बनवाया गया था। लेकिन लंबे समय तक केवल संकट-आधारित रोजगार पर निर्भर रहने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में ठहराव बढ़ सकता है। VB G RAM G अल्पकालिक रोजगार को आजीविका निर्माण, कौशल विकास और उपयोगी संपत्तियों के निर्माण से जोड़ता है। इसका उद्देश्य केवल काम के दिन गिनना नहीं, बल्कि लोगों को स्थायी आय और बेहतर भविष्य देना है। राज्यों पर वित्तीय बोझ बड़ने की चिंता को भी बड़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है । MGNREGA में कई बार केंद्र से राशि देर से आती थी और लागत साझा करने को लेकर विवाद होते थे। VB GRAM G में भूमिकाएं स्पष्ट करने, बेहतर योजना बनाने और फंडिंग को अधिक अनुमानित बनाने का प्रयास किया गया है, जिससे राज्यों को योजना चलाने में सुविधा मिल सकती है।केंद्र के अधिक नियंत्रण की बात भी पूरी तरह सही नहीं मानी जा सकती। इतनी बड़ी योजना में पारदर्शिता और निगरानी के लिए समान मानक जरूरी होते हैं। स्थानीय संस्थाएँ अब भी कार्यों का चयन' और निगरानी करेंगी. लेकिन प्रदर्शन और जवाबदेही पर ज्यादा जोर होगा। पहले निगरानी कमजोर होने से कई बार मजदूरों की बजाय बिचौलियों को फायदा मिलता था।

महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर भावनात्मक प्रतिक्रिया स्वाभाविक है, लेकिन तर्क यह है कि गांधीजी की सोच आत्मनिर्भरता, उत्पादक श्रम और स्थानीय विकास पर आधारित थी। केवल नाम बनाए रखना लेकिन व्यवस्था में अक्षमता स्वीकार करना उनकी विरासत का सम्मान नहीं हैं। टिकाऊ आजीविका और सामुदायिक संपत्तियों पर आधारित योजना उनके विचारों से अधिक मेल खा सकती है।

सुधारो का विरोध अक्सर होता है, खासकर जब पुरानी राजनीतिक धारणाएँ प्रभावित होती हैं। लेकिन सामाजिक कल्याण नीतियों को समय के साथ बदलना जरूरी है। ड्डक्कतक्रत्त ग्रामीण रोजगार नीति को ' केवल इनपुट आधारित व्यवस्था से निकालकर परिणाम आधारित गारंटी की ओर ले जाने का प्रयास करता हे। असली सवाल यह है कि देश ऐसी कल्याण प्रणाली चाहता है, जो बदलती परिस्थितियों के अनुसार विकसित हो, या फिर ऐसी व्यवस्था जो पुराने ढांचे से चिपकी रहे।

मैं कौन हूँ ?

सेवा निवृत्ति के बाद,
न कोई नौकरी,
न कोई दिनचर्या,
और एक शांत घर।
जो अब सिर्फ,
सन्नाटे की गूंज है !
मैंने अंतत:,
अपने असली अस्तित्व को,
खोजना शुरू किया।।

मैं कौन हूँ ?
मैंने बंगले बनवाये,
छोटे-बड़े कई निवेश किये।
पर, आज चार दीवारों में,
सिमट गया हूँ।।

साइकिल से मोपेड,
मोपेड से बाइक,
बाइक से कार तक की रफ्तार,
और स्टाइल का पीछा किया।
पर ! अब धीरे-धीरे चलता हूँ,
वो भी अकेले,
अपने कमरे के भीतर ।।

प्रकृति मुस्कराई और पूछा,
तुम कौन हो, प्रिय मित्र ?
मैंने कहा –
मैं...! बस मैं हूँ... !!

राज्य देखे, देश देखे,
महाद्वीपों की सैर की।
पर आज मेरी यात्रा,
ड्राइंग रूम से
रसोई तक सीमित है।।

संस्कृतियाँ,
और परंपरायें सीखीं।
पर अब केवल,
अपने ही परिवार को,
समझने की इच्छा है।।

प्रकृति फिर मुस्कराई,
तुम कौन हो, प्रिय मित्र ?
मैंने उत्तर दिया,
मैं...! बस मैं हूँ... !!

कभी जन्म दिन,
सगाई, शादियाँ,
धूमधाम से मनाईं।
पर आज,
सब्ज़ियाँ खरीदने के लिए,
सिक्के गिनता हूँ।।

प्रकृति ने फिर पूछा,
तुम कौन हो, प्रिय मित्र ?
मैंने कहा,
मैं...! बस मैं हूँ... !!

सोना, चाँदी, हीरे,
लॉकर्स में,
चुपचाप पड़े हैं।
सूट-ब्लेज़र, बिना छुये
अलमारी में टंगे हैं !!
पर अब मैं,
नरम सूती कपड़ों में,
जीता हूँ,
सादा और आज़ाद।।

कभी अंग्रेज़ी, फ्रेंच,
व हिंदी में दक्ष था।
अब माँ की बोली में,
सुकून मिलता है।।

काम के सिलसिलों में,
देश-देश घूमता रहा।
अब उन मुनाफ़ों,
और नुकसानों को,
यादों में तौलता हूँ।।

व्यवसाय चलाया,
परिवार बसाया,
अनेक रिश्ते बनाये।
पर अब,
मेरे सबसे प्रिय साथी,
पड़ोस के,
वो स्नेही बुज़ुर्ग हैं।।

कभी नियमों का,
पालन किया।
शिक्षा में आगे बढ़ा।
पर अब समझ आया,
कि वास्तव में,
मायने क्या रखता है ?

ज़िंदगी की,
हर ऊँच-नीच के बाद ;
एक शांत पल में,
मेरी आत्मा ने मुझसे,
फुसफुसा कर कहा --
हे यात्री,
बस अब तैयार हो जा !

प्रकृति ने कोमलता से,
मुस्कराते हुए पूछा --
तुम कौन हो, प्रिय मित्र ?
और मैंने उत्तर दिया --

हे प्रकृति !
तुम मैं हो और मैं तुम !!
कभी मैं,
आकाश में उड़ता था।
अब ज़मीन को,
सम्मान से छूता हूँ।
मुझे क्षमा करो,
एक और मौका दो जीने का !
पैसा कमाने की मशीन नहीं,
एक सच्चा इंसान बनकर,
मूल्यों के साथ,
परिवार के साथ,
प्यार से जीने का !!

[सभी सेवा-निवृत्त (हो चुके एवं होने वाले) लोगों को समर्पित !!]

खून से सनी इबादतगाहें और टूटता समाज आतंक की आग में झुलसता पाकिस्तान और इंसानियत पर उठते सवाल

कांतिलाल मांडोत

इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुआ आत्मघाती हमला केवल एक सुरक्षा चूक या एक और आतंकी घटना नहीं है, बल्कि वह आईना है जिसमें पाकिस्तान के भीतर गहराते सामाजिक, वैचारिक और राजनीतिक संकट साफ दिखाई देते हैं। नमाज जैसी पवित्र इबादत के वक्त निर्दोष लोगों की जान जाना किसी भी सभ्य समाज के लिए आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। यहां सवाल किसी एक मजहब, किसी एक समुदाय या किसी एक देश का नहीं है, सवाल इंसान की जान, उसकी सुरक्षा और उस व्यवस्था का है जो बार-बार उसे बचाने में विफल होती दिख रही है।

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा की आग में झुलस रहा है। शिया समुदाय पर हमले कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन राजधानी इस्लामाबाद जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले शहर में इतना बड़ा धमाका यह बताता है कि उग्रवाद अब देश के हर कोने में अपनी पकड़ बना चुका है। यह भी विडंबना ही है कि जिन लोगों का राजनीति, कश्मीर, भारत-पाक संबंध या किसी भी भू-राजनीतिक खेल से कोई लेना-देना नहीं, वही लोग बार-बार इस हिंसा का सबसे आसान शिकार बनते हैं। मस्जिद में नमाज पढ़ने आए लोग किसी एजेंडे का हिस्सा नहीं थे, वे सिर्फ अपने ईश्वर के सामने सिर झुकाने आए थे।

आतंकवाद की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि वह किसी तर्क, किसी सीमा या किसी नैतिकता को नहीं मानता। पाकिस्तान ने दशकों तक जिस कट्टरपंथ को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, वही आज उसके समाज के भीतर जहर की तरह फैल चुका है। कभी यह जहर पड़ोसी देशों की ओर मोड़ा गया, कभी आंतरिक राजनीति के लिए इस्तेमाल हुआ, और आज वही जहर आम पाकिस्तानी नागरिकों की नसों में उतर रहा है। 'जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही भरना पड़ेगा' जैसी कहावत यहां किसी बदले की भावना से नहीं, बल्कि कर्म और परिणाम की कठोर सच्चाई के रूप में सामने आती है।

यह कहना जरूरी है कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, लेकिन आतंकवादियों के निशाने पर अक्सर वही होते हैं जो सबसे कमजोर, सबसे असुरक्षित और सबसे निरीह होते हैं। पाकिस्तान में शिया समुदाय लंबे समय से इसी स्थिति में है। बीते दो दशकों में हजारों शियाओं की हत्या यह बताती है कि यह केवल सुरक्षा की समस्या नहीं, बल्कि समाज में गहरे बैठे नफरत के बीजों का नतीजा है। जब राज्य किसी खास विचारधारा के साथ समझौता करता है, जब हिंसक समूहों को 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकवादी के खांचे में बांटा जाता है, तब अंतत: वही हिंसा बेकाबू होकर पूरे समाज को निगलने लगती है।

इस हमले का एक और पहलू पाकिस्तान की कमजोर होती अर्थव्यवस्था से भी जुड़ता है। जब देश कर्ज के बोझ तले दबा हो, जब बेरोजगारी बढ़ रही हो, जब युवाओं के पास भविष्य की कोई ठोस उम्मीद न हो, तब कट्टरपंथी विचारधाराएं आसानी से जमीन बना लेती हैं। आर्थिक अस्थिरता और वैचारिक उग्रता एक-दूसरे को पोषित करती हैं। पाकिस्तान में बढ़ता कर्ज-जीडीपी अनुपात, बजट घाटा और आम आदमी पर बढ़ता आर्थिक दबाव केवल आंकड़े नहीं हैं, ये उस असंतोष की कहानी कहते हैं जो अंतत: हिंसा का रूप ले लेता है।

भारत के संदर्भ में अक्सर पाकिस्तान के भीतर यह नैरेटिव गढ़ा गया कि सारी समस्याओं की जड़ बाहर है। कश्मीर, सीमा विवाद और भारत-विरोधी बयानबाजी ने वर्षों तक आंतरिक सवालों से ध्यान हटाने का काम किया। लेकिन आज जब मस्जिदों, इमामबाड़ों और बाजारों में पाकिस्तान के अपने लोग मारे जा रहे हैं, तब यह बहाना भी कमजोर पड़ता दिख रहा है। कश्मीर में मारे गए निर्दोष लोगों का दर्द किसी भी तरह से कम नहीं था, और आज पाकिस्तान के निर्दोष लोगों का दर्द भी उतना ही वास्तविक और उतना ही पीड़ादायक है। इंसानी जान की कीमत सरहद नहीं देखती।

यह भी सच है कि आम पाकिस्तानी नागरिक इन नीतियों का निर्माता नहीं रहा। वह भी उसी तरह इस हिंसा का शिकार है, जैसे कोई और। इसलिए किसी भी तरह की सामूहिक दोषारोपण की मानसिकता से बचना जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सरकारों से ज्यादा समाज की लड़ाई होती है। जब तक नफरत फैलाने वाली सोच को सामाजिक स्तर पर चुनौती नहीं दी जाती, जब तक शिक्षा, संवाद और सहिष्णुता को बढ़ावा नहीं दिया जाता, तब तक बंदूक और बम की आवाजें खामोश नहीं होंगी।

इस्लामाबाद हमले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि सुरक्षा केवल बंदूकधारी जवानों से नहीं आती, बल्कि न्यायपूर्ण नीतियों, समावेशी राजनीति और ईमानदार आत्मालोचना से आती है। किसी भी देश के लिए यह स्वीकार करना कठिन होता है कि उसकी अपनी गलतियों ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है, लेकिन बिना इस स्वीकारोक्ति के बदलाव संभव नहीं। आतंकवाद के खिलाफ आधे-अधूरे कदम, दोहरे मापदंड और तात्कालिक राजनीतिक फायदे अंतत: उसी समाज को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसे बचाने का दावा किया जाता है।

अंत में, इस हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के लिए संवेदना केवल औपचारिक शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह संवेदना तब सार्थक होगी जब पाकिस्तान का समाज और उसकी सत्ता यह तय करे कि अब और नहीं। अब नफरत के सौदागरों को जगह नहीं मिलेगी, अब मजहब के नाम पर खून बहाने वालों के लिए कोई बहाना नहीं होगा। क्योंकि अगर आज भी सबक नहीं लिया गया, तो यह हिंसा किसी एक मस्जिद, किसी एक समुदाय या किसी एक शहर तक सीमित नहीं रहेगी। आतंक जब बेलगाम होता है, तो अंतत: वह हर दरवाजे पर दस्तक देता है।

निर्दोष लोगों की मौत किसी भी तर्क, किसी भी राजनीति और किसी भी रणनीति से बड़ी होती है। यही सच्चाई इस्लामाबाद की उस मस्जिद की खामोशी में गूंज रही है, और यही सच्चाई हर उस समाज के लिए चेतावनी है जो नफरत के साथ समझौता करता है।

संघ की गौरवशाली शताब्दी गाथा दिखाएगी फिल्म- 'शतक-संघ के 100 वर्ष'

इंद्रधनुष

● प्रदीप सरदाना
pradeepsardana29@gmail.com

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एक ऐसी फिल्म का निर्माण किया गया है जो संघ की अनुपम शताब्दी यात्रा का चित्रण करती है। 'शतक-संघ के 100 वर्ष' नाम की यह फिल्म देश भर में 19 फरवरी को प्रदर्शित होने जा रही है। हाल ही में 'शतक' का टीजर जारी किया गया तो दर्शकों ने इस फिल्म में काफी दिलचस्पी दिखाई। साथ ही 'शतक' के एक गीत 'भगवा है अपनी पहचान' का लोकार्पण तो स्वयं आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने दिल्ली में किया। इस गीत में सुप्रसिद्ध गायक सुखविंदर सिंह ने अपने स्वर में उत्साह-उमंग के कई रंग भर दिए हैं। यूं फिल्म में कुल 5 गीत हैं।

इस फिल्म का निर्माण वीर कपूर ने किया है। जबकि निर्देशन आशीष मॉल का है। फिल्म 'शतक' की टैग लाइन है- 'ना रुके ना थके ना झुके'। ये छोटा सा स्लोगन ही आरआरएस की 100 वर्ष की गौरवशाली गाथा का सार संदेश दे देता है। टीजर में दिखाए कुछ संवाद भी इतने अहम हैं कि उन्हें सुनकर फिल्म के प्रति आकर्षण और भी बढ़ जाता है। जैसे- ''मुझे इतिहास की परवाह नहीं राष्ट्र की है''। या फिर -''चार हिन्दू तभी साथ चलते हैं जब पाँचवां उनके कंधे पर होता है।'' 'शतक' फिल्म का टीजर यह भी दर्शाता है कि यह फिल्म संघ से जुड़े बरसों पुराने भ्रम और भ्रांतियों को भी दूर करेगी। क्योंकि देश स्वतंत्र होने के बाद कुछ देश विरोधी शक्तियां अपने स्वार्थ के चलते संघ के आदर्श और विचार देख इतना परेशान हुईं कि संघ के विरुद्ध दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। लेकिन फिल्म सत्य को प्रकाश में लाकर बताएगी कि संघ हर विपदा, आपदा के समय राष्ट्र हित में हर कदम पर मजबूती से खड़ा रहा। संघ ने अपने आदर्शों से देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को बेहद प्रभावित किया।

फिल्म को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ मनमोहन वैद्य कहते हैं- ''आज के समय में विचारधारा के नाम पर तथ्यों से समझौते होते देखा जाता है। लेकिन 'शतक' के निर्माताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि संघ के लिए सत्य और तथ्य सर्वोपरि हैं। इसीलिए फिल्म से कुछ ऐसे दृश्य भी स्वयं हटा दिए जो भावनात्मक रूप से प्रभावशाली थे। लेकिन उनके पीछे कोई ठोस ऐतिहासिक आधार नहीं था। इतिहासकारों और विषय विशेषज्ञों की फिल्म निर्माण टीम के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि फिल्म के लिए रचनात्मकता जरूरी है। लेकिन इतिहास की मर्यादा बनाए रखना उससे भी ज्यादा जरूरी है। क्योंकि यह फिल्म किसी प्रकार का प्रचार नहीं, बल्कि संघ की यात्रा को समाज के सामने ईमानदारी से रखने का माध्यम है। इसलिए इसमें वही दिखाया है जो तथ्यात्मक रूप से सही है।''

'शतक' को लेकर मैंने वीर कपूर से बात की तो उन्होंने बताया-''हमने अपनी इस फिल्म को बहुत ही दिल से, परिश्रम से और ईमानदारी से बनाया है। हमने कलात्मक स्वतंत्रता तो ली है लेकिन तथ्यों के साथ कोई समझौता नहीं किया है। जिन दृश्यों के तथ्यों में थोड़ा भी भ्रम था, उन्हें हमने स्वेच्छा से हटा दिया। इसीलिए फिल्म की जो अवधि 130 मिनट हो गई थी। वह अब कुछ दृश्य हटाने के बाद करीब 108 मिनट हो गई है। साथ ही फिल्म को हिन्दी के साथ तमिल और तेलुगु में भी कुल 1500 स्क्रीनस के साथ प्रदर्शित किया जा रहा है। हालांकि कुछ दिन बाद फिल्म को विदेशों में और अंग्रेजी के साथ मराठी भाषा में भी प्रदर्शित करने की भी योजना है।''

फिल्म 'शतक' का दूसरा भाग भी जल्द

'शतक' फिल्म की कहानी कहाँ से शुरू होकर कहाँ समाप्त होती है ? यह पूछने पर वीर कपूर बताते हैं ''फिल्म की कहानी डॉ केशव बलिराम हेडगेवार साहब के बचपन से शुरू होकर 1975 तक के आपातकाल पर समाप्त होती है। जबकि 1975 से आगे से 2025 तक की कहानी हम 'शतक - 2' में दिखाएंगे। 'शतक' के इस दूसरे भाग की तैयारी भी साथ साथ चल रही है।' फिल्म की शूटिंग कहाँ कहाँ हुई ? इस सवाल के जवाब में कपूर बताते हैं- 'इसकी शूटिंग हमने पुणे के निकट भोर में करने के साथ मुंबई के मीरा रोड पर स्थित 'केशव सृष्टि' में भी की है। साथ ही मुंबई के कुछ स्टूडियो आदि में भी। फिल्म तथ्यों के साथ भव्य बन सके इसके लिए हमने हर संभव प्रयास किए हैं। हमें उम्मीद है दर्शक इस फिल्म को पसंद करेंगे।'

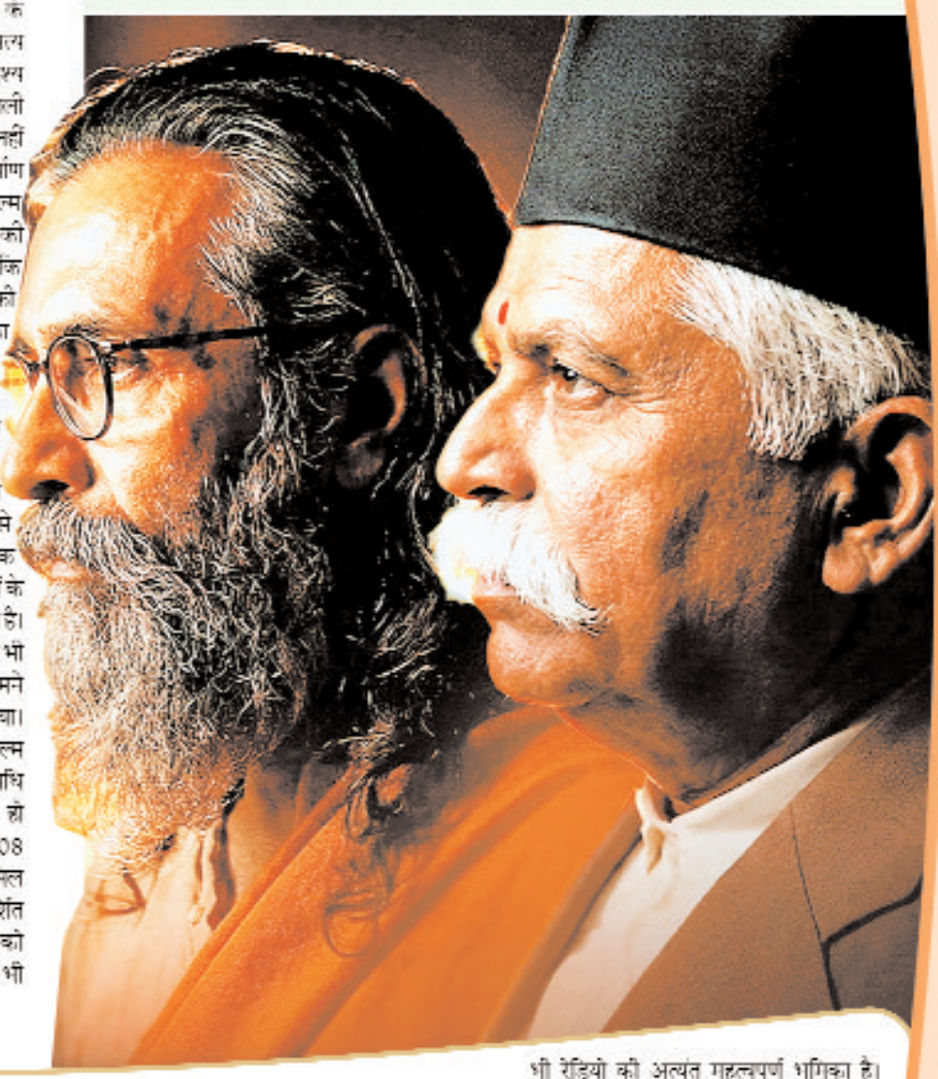

50 साल के हुए अभिषेक बच्चन, आज भी याद आता है उनका बचपन

अभिषेक बच्चन 50 बरस के हो गए। मुझे वह दिन भी याद है जब 5 फरवरी 1976 को अभिषेक का जन्म हुआ था। तब यह खबर मुझे उनके दादा जी और महान साहित्यकार डॉ हरिवंश राय बच्चन के एक पत्र से मिली थी। यह मेरा सौभाग्य रहा कि बच्चन जी मेरे गुरु और मार्गदर्शक रहे। इधर अब जहां अभिषेक के 50 वें जन्मदिन पर लिख रहा हूं। वहीं अक्टूबर 1992 में मैंने तब भी लिखा था जब अमिताभ 50 साल के हुए थे। मैंने 5 फरवरी को अमिताभ जी को उनके व्हाट्सएप पर यह बताते हुए अभिषेक के जन्मदिन की बधाई दी तो उन्होंने मुझे अपना आभार व्यक्त किया।

डॉ हरिवंश राय बच्चन जी से मेरे घनिष्ठ सम्बन्धों के चलते उनसे और उनके परिवार से मेरी अक्सर मुलाकातें होती रहती थीं। अभिषेक बच्चन से भी मेरी मुलाकात पहली बार तब हुई जब वह मात्र एक बरस के थे। लेकिन उनके साथ मुझे अपनी वह मुलाकात तो कभी नहीं भूलती जब अभिषेक लगभग 5 साल के थे।

बात दिसंबर 1980 की है। दिल्ली में तब फिल्म 'सिलसिला' की शूटिंग चल रही थी। फिल्मकार यश चोपड़ा की इस फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन जया बच्चन और रेखा दिल्ली के ओबेरॉय होटल में रुके हुए थे। अमिताभ बच्चन के साथ उनके पिता बच्चन जी और अभिषेक और श्वेता भी तब दिल्ली आए हुए थे। बच्चन जी ने मुझे पत्र लिखकर मिलने के लिए आमंत्रित किया था।

मैं जब उनसे मिलने ओबेरॉय होटल पहुंचा तो श्वेता और अभिषेक भी बच्चन जी के पास खेल रहे थे। बच्चन जी से बात करते करते मैंने अभिषेक को अपनी गोदी में बैठा लिया। कुछ देर बाद जब अभिषेक, श्वेता के साथ खेलने के लिए मेरी गोदी से उठकर जाने लगे तो प्यारे प्यारे अभिषेक की मासूमियत देखकर मैंने अभिषेक को गाल पर 'किस' कर लिया। बच्चन जी और मैं बातचीत कर ही रहे थे कि तभी जया बच्चन भी वहीं आ गईं। जया जी ने हमसे कुछ बातचीत के बाद श्वेता से पूछा कि अभिषेक कहाँ हैं, वह नजर नहीं आ रहा। श्वेता ने कमरे के दरवाजे पर लगे पर्दे की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह पर्दे के पीछे छिपा हुआ है। जया जी ने कहा कि तुम यह कोई खेल, खेल रहे हो या तुम दोनों का कोई झगड़ा हुआ है। इस पर श्वेता ने मेरी ओर इशारा करते हुए कहा - 'नहीं...अंकल ने अभिषेक को किस कर लिया तो वह शरमाकर पर्दे के पीछे छिप गया है' यह सुनकर हम सभी जोर से हंस पड़े। तब अभिषेक भी यह बात सुनकर पर्दे के बीच में से अपना चेहरा निकालकर चुपके से मुस्कुराते हुए हमको देख रहे थे।

अभिषेक के बचपन की यह बात जब कुछ बरस पहले मैंने उनको बताई थी तब वह अपनी इस बात को सुनकर खूब हँसे थे। अब उस अभिषेक और आज के अभिषेक में जमीन आसमान का अंतर है। वह आत्मविश्वास से लबालब रहते हैं। शूटिंग के दौरान वह कभी विचलित न होकर मस्त रहकर काम करते हैं। सन 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपना फिल्म करियर शुरू करने वाले अभिषेक को अब फिल्मों में 26 बरस हो चुके हैं। इस दौरान वह करीब करीब 60 फिल्मों में मुख्य भूमिका कर चुके हैं। हालांकि अभिषेक के फिल्म करियर में बहुत उतार चढ़ाव रहे हैं। कई फ्लॉप फिल्में भी उनके खाते में हैं। लेकिन उनके बेहतरीन अभिनय वाली युवा, गुरु, धूम, बंटी और बबली, सरकार, बोल बच्चन, कभी अलविदा न कहना, दोस्ताना, पा, बॉब बिस्वास, दसवीं और हाउसफुल 5 जैसी सफल फिल्मों की भी कमी नहीं है।

इसके अलावा फिल्म घूमर, आई वॉन्ट टू टॉक और कालीधर लापता से अभिषेक बच्चन ने स्वयं को एक बेहतर अभिनेता के रूप में फिर साबित किया। फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए तो अभिषेक ने पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता। अभिषेक बच्चन वर्ष 2026 में रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' और शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में दिखेंगे। इन दोनों फिल्मों में अभिषेक प्रमुख किरदार निभाएंगे। अभिषेक को उनके जन्मदिन की बधाई के साथ अनेक शुभकामनाएं।

■ (लेखक दिल्ली निवासी प्रख्यात पत्रकार, स्तंभकार एवं समीक्षक हैं)

रेडियो की तस्वीर बदलेगी

विश्व 13 फरवरी को 'विश्व रेडियो दिवस' मनाने जा रहा है। रेडियो का भारत सहित विश्व भर में एक बड़ा आकर्षण रहा है। हालांकि भारत में रेडियो 1923 -1924 में पहुंचा। जब बॉम्बे रेडियो क्लब और मद्रास प्रेसिडेंसी क्लब ने अपने-अपने लघु प्रसारण से रेडियो को अपने शहर से परिचित कराया। लेकिन इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने बॉम्बे में देश के पहले रेडियो स्टेशन का विधिवत आरंभ 23 जुलाई 1927 को किया। जबकि इटली के मार्कोनी ने सन 1896 में अपनी सिर्फ 22 बरस की आयु में रेडियो का आविष्कार कर दिया था। विश्व का पहला प्रसारण भी 1906 में आरंभ हो गया था।

इधर भारत में रेडियो ने अपने आरंभिक काल में ही श्रोताओं को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। समाचारों के साथ फिल्म गीतों की भी रेडियो की लोकप्रियता में बड़ी भूमिका रही। यूं शास्त्रीय संगीत और हवा महल जैसे नाटकों के कार्यक्रम भी लोगों को खूब लुभाते रहे। तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने 8 जून 1936 को रेडियो को ऑल इंडिया रेडियो का नाम देकर इसे भारत से पूरी तरह जोड़ दिया। लेकिन इसे 'आकाशवाणी' नाम देश स्वतंत्र होने के 9 बरस बाद 1956 में मिला। यूं अभी भी यह ऑल इंडिया रेडियो और आकाशवाणी दोनों नाम से प्रचलित है। रेडियो ने देश में अपने करीब 100 बरसों की यात्रा में कई

उतार चढ़ाव देखे। कभी यह लोकप्रियता के शिखर पर रहा। 1960 से 1980 का समय तो आकाशवाणी का स्वर्ण काल था। लेकिन जब 1985 में देश में दूरदर्शन ने सीरियल क्रांति की तो रेडियो की लोकप्रियता घटने लगी। सन 1990 के बाद तो इसकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। ऐसी स्थिति सिर्फ भारत में ही नहीं विश्व भर में थी। एक बार लगा रेडियो इतिहास बनकर रह जाएगा। ऐसी संभावनाओं को देखते हुए स्पेन रेडियो ने संयुक्त राष्ट्र संघ में वर्ष में एक दिन रेडियो दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया। सर्वेक्षण के बाद 91 प्रतिशत सदस्य देशों ने इस पर अपनी सहमति दे दी। संयुक्त राष्ट्र ने 2011 में 13 फरवरी को रेडियो दिवस मनाने की स्वीकृति दे दी। असल में 13 फरवरी का दिन इसलिए चुना गया कि संयुक्त राष्ट्र का अपना रेडियो स्टेशन 13 फरवरी 1946 को शुरू हुआ था। सन 2012 से दुनिया भर में रेडियो दिवस मनाया जा रहा है। यह रेडियो दिवस का 15 वां वर्ष है। रेडियो दिवस पर कोई थीम रखने की भी परंपरा है। इस बरस की थीम है- 'रेडियो और ए आई'। क्योंकि ए आई इन दिनों बहुत से क्षेत्रों में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

रेडियो दिवस की शुरुआत के बाद रेडियो की टूटती सांसों को संजीवनी तो मिली है। अब यह रेडियो दिवस के कारण ही मिली हो ऐसा भी नहीं। लेकिन रेडियो दिवस रेडियो का स्मरण कराने के साथ रेडियो के प्रति जागरूकता तो लाता ही है। यही रेडियो कभी जंगल में मंगल करता रहा तो एकाकीपन का साथी भी रहा। साथ ही देश विदेश के समाचार सुनाने के साथ सांस्कृतिक और शैक्षिक क्षेत्र में भी रेडियो की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन रेडियो की घटती लोकप्रियता तब कुछ बढ़ी जब रेडियो पर एफ एम चैनल्स शुरू हुए। लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 अक्टूबर 2014 को 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू किया तो लोगों की रेडियो के प्रति दिलचस्पी फिर से जाग उठी।

इधर अब प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो का दायरा बढ़ाने के लिए नए एफएम चैनल्स शुरू करने के काम में तेजी लाने के दिशा निर्देश दिए हैं। देश के 234 शहरों में 730 नए निजी एफएम चैनल्स अब शुरू होने को हैं। इसके आवंटन के लिए नीलामी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही सरकार अपने पुराने प्रसारण केंद्रों की क्षमता बढ़ाने के साथ नए प्रसारण केंद्रों को भी शुरू करने के काम में जुटी है। रेडियो पर कई नए कार्यक्रम भी शुरू होंगे। इससे रेडियो की पहुँच देश के हर कोने में तो हो ही जाएगी। नए कार्यक्रमों से भी रेडियो की तस्वीर बदलेगी।

सिने-संगीत आस्वाद

● शशांक दुबे

मुंबई का एक उजालेभरा उल्लसित दिन। बारिश में नहाई धोई सड़क पर बलखाती हुई एक स्कूल बस चल रही है और उसमें सवार हैं लहराते पफ वाले नायक और इठलाती जुल्फों वाली नायिका। इस छबीले नायक की ऊपरी दंतपंक्ति में राई के दाने से थोड़ा सा बड़ा जो गैप है, वह उतना ही दिलकश है, जितना इस सजीली नायिका के गाल पर लगभग अदृश्य सा उभरता गड्ढा। दोनों हँस रहे हैं, मुस्कुरा रहे हैं, खिलखिला रहे हैं। वादियों में वायलिन की धीमी-धीमी स्वरलहरियाँ बह रही हैं, जो अचानक थोड़ी सी तेज हो जाती हैं। फिर वे थमती हैं और संतूर से डेढ़ डेढ़ सेकंड के तीन टुकड़े कुछ यूं झनझनाते हैं, जैसे किसी खूबसूरत चेहरे पर किसी ने बर्फ जैसे ठंडे पानी से एक के बाद दीगर तीन छींटे डाल दिए हों। तभी बस एक खूबसूरत पार्क के सामने खड़ी होती है। नायक-नायिका उतरते हैं। और फिर शुरू होता है रफी लता की मनमोहक आवाज में हसरत जयपुरी की रूमानी कलम से निकला, शंकर जयकिशन के चमत्कारिक संगीत से सजा, दत्ता राम की विलक्षण ढोलक से संवरा 'तुझे जीवन की डोर से बाँध लिया है' जैसा सुरीला गीत।

महान फिल्मकार हृषिकेश मुखर्जी द्वारा निर्देशित 'असली नकली' फिल्म का यह गीत सिने-संगीत के रसिक श्रोताओं और शंकर जयकिशन के प्रशंसकों का तो पसंदीदा है ही, यह हृषिदा के भी अतिप्रिय गीतों में से एक है। इसका प्रमाण हमें 'असली नकली' (1962) के नौ साल बाद बनी फिल्म 'गुड्डी' (1971) में देखने को मिलता है, जब नायिका सपने में इसी गीत को सुनती है। यही नहीं, हृषिदा 'चुपके चुपके' (1975) में धर्मेंद्र-शर्मिला के प्रणय दृश्यों में और 'गोलमाल' (1979) के कुछ दृश्यों में इस गीत की आरंभिक ट्यून का पार्श्व संगीत के रूप में इस्तेमाल करने के मोह से भी नहीं बच पाते। सनद रहे, 'चुपके चुपके' और 'गोलमाल' में शंकर जयकिशन का नहीं, बल्कि क्रमशः सचिन देव बर्मन और राहुल देव बर्मन का संगीत था। लेकिन हृषिदा के पास अपनी फिल्मों के संगीत टुकड़ों का अद्भुत खजाना था, जिसके जरिए वे उस्तादों के काम में भी इस किस्म की रचनात्मक हस्तक्षेप कर दिया करते थे।

साठ के दशक की अनिंद्य सुंदरी साधना किस फिल्म में सबसे ज्यादा खूबसूरत लगी है, इस पर मत वैविध्य हो सकता है। किसी को 'आरजू' में कश्मीर की वादियों में पतझड़ के मौसम में 'बेदर्दी बालमा तुझको' गा रही साधना सुंदर दिख सकती है, किसी को 'मेरे महबूब' में कॉलेज के सालाना जलसे में बुर्के से झाँकती दो आँखों की टिमटिमाहट सुंदर लग सकती है, कोई 'एक मुसाफिर एक हसीना' में 'तुम्हें मुहोब्बत है हमसे माना, बताओ इसका कुसूर क्या है' में पहाड़ियों पर फुदकती साधना का दीवाना हो सकता है, तो किसी को 'वक्त' फिल्म में 'कौन आया कि निगाहों में चमक जाग उठी' गीत में पियानो पर अंगुलियाँ लहराती साधना फब सकती है। साधना के इन दीवानों से यही निवेदन है कि श्वेत-श्याम प्रिंट में फिल्माए 'तुझे जीवन की डोर से' गीत की 'तेरे चेहरे की झिलमिल से मंज़िल मिली, ऐसी प्यारी पूनम सर आँखों पर' पंक्तियों में कमल की डंडी हाथ में लिए पानी में छवि दिखाती साधना को देख लीजिए, इसके बाद वे भी यह मानने को विवश हो जाएंगे कि साधना ही नहीं, भारतीय फिल्मों के इतिहास में इतनी सुंदर अभिनेत्री किसी फ्रेम में नहीं दिखी है। सच तो यह है कि श्वेत-श्याम सिनेमा में साधना, मधुबाला, वहीदा रहमान, वैजयंती माला और माला सिन्हा जैसी अदाकारों का जो नैसर्गिक सौंदर्य दिखलाई देता था, वह परदे के रंगीन होते ही धीमे-धीमे क्षीण होता चला गया। कहना न होगा, सहज-सरल सौंदर्य की दमक तकनीक की चकाचौंध में प्रायः लुप्त हो जाया करती है।

'असली नकली' हिन्दी सिनेमा के साठ के दशक के उस सुमधुर स्वर्णिम दौर की फिल्म है, जब फिल्में सोना नहीं सुर उगलती थीं, जब तीन दिन में सौ करोड़ का जश्न नहीं, बल्कि तीन महीने बाद सौ दिन का, फिर सिल्वर जुबली का और फिर गोल्डन जुबली, डायमंड जुबली का जश्न मनाया जाता था। तब सिनेमा देखने से रोकने के लिए लोग पत्थर नहीं चलाते थे, तब सिनेमा देखने के लिए टिकट हासिल करने के वास्ते लोग पुलिस की लाठियां खाते थे। वसंत के इस रूमानी महीने में देव के इठलाने और साधना के मुस्कुराने पर, शंकर जयकिशन के अलौकिक संगीत और हसरत जयपुरी के अप्रतिम गीत पर, रफी साहब की ब्रह्मांड को भेदती गहन गायकी और लता जी की रसीली आवाज पर और कुल मिलाकर एक अद्भुत, कर्णप्रिय, बेमिसाल, हृदयस्पर्शी, सरस, प्रीतिकर, मधुर, मदीर, रसीले, मनमोहक गीत पर एक 'वाह!' तो बनती ही है।

तुझे जीवन की डोर से,
बाँध लिया है, बाँध लिया है
तेरे ज़ुल्म-ओ-सितम,
सर आँखों पर
मैंने बदले में प्यार के,
प्यार दिया है, प्यार दिया है
तेरी खुशियाँ और ग़म,
सर आँखों पर

अप्सरा कोई आए तो देखूं नहीं
कोई बहकाये हंसके
तो बहकूं नहीं
तोरे मतवारे नैनों ने, जादू किया
ओ तोरे मतवारे नैनों
ने जादू किया
तेरी उल्फत सनम सर आँखों पर

मेरे जीवन की अनमिट
कहानी है तू
मेरी तकदीर और ज़िंदगानी है तू
लिये फिरते हैं सबसे छुपाये हुए
ओ लिए फिरते हैं सबसे छुपाए हुए
तेरी तसवीर हम सर आँखों पर

चाँद सूरज भी हैं तेरी परछाइयाँ
तुझ से रोशन हुई दिल
की गहराइयाँ
तेरे चेहरे की झिलमिल से
मंज़िल मिली
ओ तेरे चेहरे की झिलमिल से
मंज़िल मिली
ऐसी प्यारी पूनम सर आँखों पर

राज्यसभा में उठी स्वतंत्र स्पेस फोर्स बनाने की मांग

नई दिल्ली। सोमवार को राज्यसभा में स्पेस फोर्स का विषय उठाया गया। सदन में कहा गया कि भारत को अपनी एक स्वतंत्र स्पेस फोर्स का गठन करना चाहिए। सदन को बताया गया कि स्पेस आज देश की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। यह डोमेन रणनीतिक आर्थिक व सैन्य ऑपरेशन को भी प्रभावित करता है। राज्यसभा में ओडिशा से भाजपा सांसद सुजीत कु मार ने यह विषय उठाया। उन्होंने कहा कि अब अंतरिक्ष सिर्फ साइंस का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से सीधे जुड़ा रणनीतिक क्षेत्र बन चुका है। उन्होंने सरकार से स्वतंत्र स्पेस फोर्स बनाने पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

ट्रंप ने कनाडा-ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को बताया अमेरिका का हिस्सा

वाशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया के नेताओं को ट्रोल किया है। उन्होंने एक ऐसा नक्शा दोबारा शेयर किया है जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया है। खास बात ये है कि 20 जनवरी 2026 को भी ट्रंप ने ये तस्वीर पोस्ट की थी। सोमवार को ट्रुथ सोशल पर अपलोड की गई एआई मॉक-अप तस्वीर में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर समेत यूरोपीय नेता ग्राफिक को देखते हुए दिख रहे हैं, जबकि ट्रंप जीते हुए इलाके को दिखा रहे हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर कोई कैप्शन नहीं लिखा है।

लीबिया के पास नाव पलटी, 53 प्रवासी लापता- आईओएम

त्रिपोली। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने सोमवार को बताया कि लीबिया के तट के पास एक नाव पलटने से दो बच्चों समेत 53 प्रवासी या तो मारे गए या लापता हो गए। 55 लोगों को ले जा रहा जहाज शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी लीबिया के ज़ुवारा शहर के उत्तर में पलट गया। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लीबियाई अधिकारियों ने केवल दो लोगों को बचाया, दोनों नाइजीरियाई मूल की महिलाएं थीं। आईओएम को एक जीवित बची महिला ने बताया कि उसने इस हादसे में अपने पति को खो दिया; दूसरी ने अपने दो बच्चों को खो देने की बात कही। जानकारी के मुताबिक, यह नाव 5 फरवरी की देर रात पश्चिमी शहर अल-जाविया से निकली थी। झजीवित बचे लोगों ने संयुक्त राष्ट्र की माइग्रेशन एजेंसी को बताया कि यात्रा शुरू होने के लगभग छह घंटे बाद नाव में पानी भरने लगा और वह पलट गई। आईओएम ने कहा कि उसकी टीमों ने महिलाओं को इमरजेंसी मेडिकल मदद दी।

बांग्लादेश चुनाव: भारत विरोधी भावनाओं और क्रिकेट के इर्द-गिर्द सिमटा प्रचार

ढाका

बांग्लादेश में गुरुवार यानी 12 फरवरी को होने जा रहे आम चुनाव के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है। जमीनी स्तर पर चुनाव प्रचार का शोर आज थम जाएगा, लेकिन डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों के बीच चल रही जंग अब भी चरम पर है। इस बार का चुनाव मुख्य रूप से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ-साथ शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद उभरी नई राजनीतिक ताकतों के बीच मुकाबला माना जा रहा है।

इस चुनावी माहौल में सबसे दिलचस्प बात यह है कि राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए क्रिकेट और भारत विरोधी भावनाओं का सहारा ले रहे हैं। विभिन्न दलों के समर्थकों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि नई सरकार आने पर विश्व कप ढाका आएगा। टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की हार को राष्ट्रीय गरिमा से जोड़ते हुए जमात-ए-इस्लामी के समर्थकों ने इसे विदेशी हस्तक्षेप और अन्याय का परिणाम बताया है। उनका दावा है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश का गौरव वापस लाएगी और क्रिकेट में बड़ी सफलताएं दिलाएगी। वहीं, शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलनों से जन्मी नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) ने इस बार सबसे आक्रामक रुख अपनाया है। एनसीपी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में भारत के प्रभाव के विरोध में बैंगला रैली का आयोजन किया, जिसमें भारतीय मैचों के बहिष्कार की अपील की गई। पार्टी के घोषणापत्र में भारत का नाम लेकर सीमा पर होने वाली मौतों, नदियों के जल विवाद और आंतरिक मामलों में कथित हस्तक्षेप जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एनसीपी नेताओं का कहना है कि यदि द्विपक्षीय वार्ता विफल रहती है, तो वे शेख हसीना को वापस लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय अदालतों का दरवाजा खटखटाएंगे। चुनाव प्रचार के दौरान एनसीपी नेता दिल्ली में शरण लिए हुए अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाते हुए उन पर तीखे हमले कर रहे हैं। दूसरी ओर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कूटनीतिक सावधानी बरतते हुए अपने आधिकारिक घोषणापत्र में भारत का सीधे तौर पर जिक्र करने से परहेज किया है। हालांकि, पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान के हालिया बयानों ने उनके कठोर रुख के संकेत दिए हैं। रहमान ने फरक्का बैराज के विकल्प के रूप में पद्मा बैराज के निर्माण का प्रस्ताव रखा है, जिसे क्षेत्रीय जल राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश का यह चुनाव विकास के मुद्दों से ज्यादा भावनाओं, खेल और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के इर्द-गिर्द सिमटा नजर आ रहा है।

कंगाल पाकिस्तान बलूचों के खिलाफ आर-पार के मूड में

इस्लामाबाद

कंगाल पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बलूचिस्तान का सौदा कर रहा है। पाकिस्तान वहां की बेशकीमती रेको डिक खदान को दूसरे देशों को सौंपने का पूरा प्लान तैयार कर चुका है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के हमलों से डरी शहबाज शरीफ सरकार ने अब एक नई चाल चली है।

पाकिस्तानी सरकार ने अमेरिका और कनाडा को खुश करने के लिए बलूचिस्तान में एक 'स्पेशल फोर्स' तैनात करने और इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने का फैसला किया है। मामला तब गरमाया, जब कनाडा की कंपनी बैरिक माइनिंग कॉर्पोरेशन ने पाकिस्तान को चेतावनी दे दी।

दरअसल कनाडाई कंपनी ने साफ कहा कि वहां अरबों डॉलर के रेको डिक प्रोजेक्ट की सुरक्षा समीक्षा तुरंत शुरू करेगी। बता दें कि हाल ही में बीएलए की ओर से किए गए भीषण हमलों में 36 नागरिक और 22 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए। इन हमलों से विदेशी निवेशकों को डर है कि उनका पैसा बलूचिस्तान में डूब सकता है। इतना ही उन्हें अपने नागरिकों की जान का जोखिम भी दिख रहा है।

ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में प्रोजेक्ट वॉल्ट के तहत रेको डिक में 1.3 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान किया है। भिखारी पाकिस्तान के लिए इतनी बड़ी रकम किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है। डॉलर की इस बारिश के बीच बीएलए न सिर्फ चट्टान बनकर खड़ा हो गया है बल्कि वहां पाकिस्तानी आर्मी के बेस तक पर हमले कर रहा है। बीएलए ने अपने इरादे साफ कर दिए है कि अब बलूचिस्तान के संसाधनों की लूट किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। दूसरी ओर निवेशकों को रोकने के लिए बलूचिस्तान के सीएम सरफराज बुगती के सलाहकार शाहिद रिंद ने बताया कि सरकार अब आर-पार के मूड में है। खनिज संपन्न इलाकों की सुरक्षा के लिए अलग से फ्रंटियर कोर बनेगी।

सऊदी में कैमल पॉसपोर्ट लॉन्च, पहचान, रिकॉर्ड व स्वास्थ्य की जानकारी होगी दर्ज

रियाद

सऊदी अरब में अब ऊंटों को भी पासपोर्ट जारी किया जाएगा। यह कदम ऊंटों से जुड़े पूरे सेक्टर को सही तरीके से संगठित करने और उसे आधुनिक बनाने के लिए उठाया गया है। यह पहल देश की सऊदी विजन 2030 योजना का हिस्सा है। सऊदी अरब के उप पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री मंसूर अलमुशैती ने इसकी औपचारिक घोषणा की, जिसमें बताया गया कि देश ने आधिकारिक रूप से कैमल पॉसपोर्ट लॉन्च कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंसूर अलमुशैती ने बताया कि इस पासपोर्ट से ऊंटों की पहचान, रिकॉर्ड और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दर्ज की जा सकेगी। इससे सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ेगी और ऊंटों की खरीद-बिक्री में भरोसा भी मजबूत होगा। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर ऊंट पासपोर्ट की तस्वीर भी साझा की, जिसमें हरे रंग का पासपोर्ट और उस पर देश का चिन्ह और ऊंट की सोने जैसी छवि दिखाई गई है। अनुमान है कि 2024 में देश में करीब 2.2 मिलियन ऊंट हैं, और धीरे-धीरे सभी को इस सिस्टम में शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक अरब दुनिया में ऊंट सिर्फ जानवर नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट से लेकर वहां की संस्कृति तक का अहम हिस्सा हैं। सऊदी अरब में लोग ऊंटों के मालिक होते हैं, उन्हें पालते हैं और जरूरत पड़ने पर परिवहन के लिए भी इस्तेमाल करते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए ऊंटों के लिए बनाया गया पासपोर्ट अब उनकी आधिकारिक और मान्य पहचान का दस्तावेज बनेगा।

अमेरिका ने बांग्लादेश से किया व्यापार समझौता, टैरिफ में दी एक प्रतिशत की राहत

ढाका। बांग्लादेश में आगामी चुनावों से पहले अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और बांग्लादेश के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौता संपन्न हुआ है, जिसे अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। इस नए समझौते के तहत अमेरिका ने बांग्लादेशी उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ (आयात शुल्क) में कटौती करने का निर्णय लिया है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, अमेरिका अब बांग्लादेश से आने वाले सामानों पर लगने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा। इस व्यापारिक समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाजार की पहुंच को सुगम बनाना, निवेश को बढ़ावा देना और व्यापारिक बाधाओं को कम करना है। समझौते की शर्तों के अनुसार, बांग्लादेश अपने बाजार में अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों को विशेष रियायतों के साथ प्रवेश देगा। इन उत्पादों की सूची काफी व्यापक है, जिसमें रसायन, चिकित्सा उपकरण, भारी मशीनरी, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण, ऊर्जा उत्पाद, सोया, डेयरी, बीफ, पोल्ट्री, मेवे और विभिन्न फल शामिल हैं। विशेष रूप से कपड़ा उद्योग के लिए यह सौदा काफी अहम माना जा रहा है। अमेरिका ने वादा किया है कि वह बांग्लादेश के कुछ चुनिंदा परिधान उत्पादों को जीरो टैरिफ यानी शून्य शुल्क की सुविधा देगा। हालांकि, यह लाभ एक विशेष शर्त पर आधारित होगा—यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बांग्लादेश उन उत्पादों को बनाने के लिए अमेरिका से कितनी मात्रा में कपास और कृत्रिम फाइबर जैसे कच्चे माल का आयात करता है। इसके अलावा, दोनों देश व्यापार में बाधा बनने वाले नॉन-टैरिफ बैरियर्स को खत्म करने पर भी सहमत हुए हैं।

सऊदी अरब में अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान

रियाद

सऊदी अरब की मोहम्मद बिन सलमान की सरकार ने नियम तोड़कर देश में रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान चलाया है। सऊदी के आंतरिक मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में बताया गया है कि देश की सुरक्षा एजेंसियों ने बीते एक हफ्ते में बड़े पैमाने पर प्रवर्तन अभियान चलाया है। इसके तहत निवास, लेबर और सीमा कानूनों का उल्लंघन करने वाले 20,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है।

आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि 29 जनवरी से 4 फरवरी के बीच चलाए संयुक्त निरीक्षण अभियानों के दौरान कुल 20,237 अवैध निवासियों को अलग-अलग शहरों से पकड़ा गया। ये अभियान सुरक्षा बलों ने संबंधित सरकारी एजेंसियों के समन्वय से चलाए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 12,687 को निवास कानून के उल्लंघन में गिरफ्तार किया गया है। सऊदी सरकार के मुताबिक, अधिकारियों ने 4,318 को सीमा सुरक्षा कानून के उल्लंघन और 3,232 को श्रम कानून तोड़ने पर पकड़ा है। इस दौरान 11,656 अवैध निवासियों को देश से निकाला गया। अधिकारियों ने 16,805 को यात्रा दस्तावेज के लिए उनके देशों के राजनयिक मिशनों के पास भेजा है। वहीं 2,437 को अपनी यात्रा बुकिंग प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि देश में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हुए 1,555 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें से 40 प्रतिशत यमनी नागरिक और 57 प्रतिशत इथियोपियाई नागरिक हैं। बाक तीन प्रतिशत दूसरे देशों से हैं। अवैध तरीकों से सऊदी छोड़ने की कोशिश में भी 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मौजूदा नियमों को लागू करने के उपायों के तहत 23,807 प्रवासी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजर रहे हैं। इनमें 21,926 पुरुष और 1,881 महिलाएं शामिल हैं।

सैन्य संबंधों में मजबूती

सेना ने नेपाली सेना को दिए 50 मिलिट्री उपयोगी वाहन

नई दिल्ली

भारत और नेपाल के बीच मजबूत रक्षा संबंध रहे हैं। भारतीय सेना ने इस रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करते हुए नेपाल की सेना को 50 सैन्य उपयोग वाले विशेष वाहन (मिलिट्री यूटिलिटी व्हीकल्स) सौंपे हैं। यह वाहन भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल सेना को हस्तांतरित किए गए। भारतीय सेना ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी और बताया कि इन वाहनों को काठमांडू में आयोजित एक औपचारिक समारोह के दौरान प्रस्तुत किया जाएगा। नेपाल में भारत के राजदूत द्वारा औपचारिक रूप से यह पहल की जाएगी। भारतीय सेना का यह कदम दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को और गहराई देता है। यह कदम नेपाल सेना की क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) को सशक्त बनाने की दिशा में भारतीय सेना की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत-नेपाल के बीच ऐतिहासिक संबंध रहे

गौरतलब है कि भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में सहयोग इन द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, उपकरण सहयोग और मानवीय सहायता जैसे क्षेत्रों में दोनों देश लगातार मिलकर काम कर रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल न केवल भारत-नेपाल के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करती है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट रूप से दर्शाती है। अभी दिसंबर महीने के दौरान ही भारत व नेपाल की सेना ने एक संयुक्त अभ्यास भी किया था। यहां बादलों के फटने, फ्लैश फ्लड, भूकंप से इमारतों के ढहने व नदी की तेज धारा में फंसे लोगों को निकालने की तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया था।

ईरान ने जारी किया अमेरिका को डराने वाला एआई वीडियो

दो मिनट तक ताबड़तोड़ की युद्धपोत पर मिसाइल अटैक और ड्रोन की बरसात

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के माहौल में एक नया मोड़ आया है। ईरान की तरफ से जारी एक एआई वीडियो ने माहौल को और गरमा दिया है। इस वीडियो में अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले की झलक दिखाई गई है, जिसे चेतावनी के संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

दो मिनट से ज्यादा के इस वीडियो में दिखाया गया है कि ईरानी ड्रोन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन की तरफ बढ़ते हैं। इसके साथ ही कई मिसाइलें दागी जाती हैं, जो अमेरिकी जहाजों पर हमला करती नजर आती हैं। हमले के दौरान अमेरिकी सैनिकों के बीच अफरातफरी का माहौल दिखाया गया है। नौसैनिक वॉकी-टॉकी पर बात करते दिखाई देते हैं और फिर हमले के बाद भागते नजर आते हैं। वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि ईरानी नौसैनिक जहाज अमेरिकी युद्धपोतों को चारों तरफ से घेर लेते हैं। ड्रोन का एक बड़ा समूह जहाजों से टकराता दिखाया गया है और सबमरीन को भी हमले में शामिल दिखाया है।

जापान में एलडीपी ने हासिल की ऐतिहासिक जीत, पीएम मोदी ने दी ताकाइची को बधाई

टोक्यो

जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने रविवार को आम चुनाव में प्रतिनिधि सभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है, जिससे पीएम सनाए ताकाइची को अपनी रूढ़िवादी नीतियों को आगे बढ़ाने का जनादेश मिल गया है। 465 सदस्यीय निचले सदन में 310 सीटों के दो-तिहाई बहुमत को पार करने से एलडीपी को संवैधानिक संशोधन करने और ऊपरी सदन द्वारा अस्वीकृत किए जाने पर भी विधेयक पारित

करने की अनुमति मिल गई है, जहां सत्तारूढ़ गठबंधन अल्पमत में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलडीपी युद्धोत्तर जापान में इतना बहुमत हासिल करने वाली पहली पार्टी है। इस शानदार जीत से पार्टी की चुनाव-पूर्व 198 सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और इसका श्रेय ताकाइची की व्यक्तिगत लोकप्रियता को दिया जा रहा है। एलडीपी और उसके गठबंधन सहयोगी, जापान इनोवेशन पार्टी (जेआईपी), मिलकर सदन में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएंगे, जिससे अक्टूबर में पदभार संभालने के बाद ताकाइची की स्थिति और मजबूत होगी।

भागवत ने सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का मात्र सुझाव दिया : आनंद दुबे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के वीर सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और संघ पर निशाना साधा है। आनंद दुबे ने कहा कि भागवत ने सिर्फ सुझाव दिए हैं। उन्हें इस मामले में सरकार को फटकार लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों से शिवसेना वीर सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग करती आ रही है।

महाशिवरात्रि के मौके पर मथुरा से आए बाबा विश्वनाथ के लिए उपहार

संस्कृति और रिश्तों को मजबूत करने की एक नई पहल

वाराणसी

15 फरवरी को होने वाली महाशिवरात्रि को लेकर देशभर के मंदिरों में तैयारियां चल रही हैं। रंग-रोगन से लेकर खास तरह की पोशाक और मिष्ठान बनाना शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में मथुरा और अन्य मंदिरों से वस्त्र, मिठाई और फल सहित कई प्रकार की भेंट अर्पित की जा रही है। इस आदान-प्रदान का उद्देश्य अन्य मंदिरों के बीच

संस्कृति और रिश्तों को मजबूत करना है।इस कार्यक्रम को मंदिरों में सफलतापूर्वक चलाने वाले कार्यकर्ता ने कहा, 'महाशिवरात्रि को लेकर देशभर के मंदिरों से नई पहल शुरू की गई है, जिसमें देश के बड़े मंदिर और हमारी मुहिम से जुड़ने वाले मंदिर सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे हमारे सनातन धर्म और मंदिर का जुड़ाव पहले से और ज्यादा मजबूत होगा।

बड़े-बड़े मंदिरों से प्राप्त हुई भेंट

मंदिर में अर्पित की जाने वाली भेंटों की जानकारी देते हुए बताया, 'महाशिवरात्रि के मौके पर जम्मू कश्मीर में स्थित माता वैष्णों देवी और दक्षिण में रामेश्वरम और गुजरात से लेकर असम तक के बड़े मंदिरों से भेंटें प्राप्त हो चुकी हैं। आज मुथरा से आई भेंट को अर्पित करने का काम किया जा रहा है क्योंकि भगवान शिव और श्री कृष्ण का संबंध बहुत पुराना है और दोनों ही एक दूसरे को अपना आराध्य मानते हैं। मंदिर से प्रसाद, वस्त्र

टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग होगी जल्द

नई दिल्ली। भारत में टेक्नो कंपनी ने अपने नए स्टाइलिश हैंडसेट टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग जल्द होने वाली है। कंपनी ने एक्स पर घोषणा करते हुए बताया कि नया पोवा कर्व 2 भारत में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे पेश किया जाएगा। यह मॉडल पिछले साल मई 2025 में लॉन्च हुए पोवा कर्व 2 5जी का अपग्रेडेड वर्जन है। लॉन्च के बाद यह फोन अमेज़न पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी में मीडियाटेक एमटी 6858 एसओसी, अधिकतम 12जीबी रैम और एंड्राइड 16 ओएस दिया जा सकता है। डिस्प्ले के लिए फोन में 1080गुणा2364 पिक्सल का स्क्रीन रिज़ॉल्यूशन मिलने की उम्मीद है।

गुड़ उत्पादन में पूसा को मिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

पटना। बिहार में अब उच्च गुणवत्ता वाला गुड़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। गन्ना अनुसंधान केंद्र, पूसा को गुड़ उत्पादन के क्षेत्र में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका मतलब है कि यहां गुड़ बनाने की सबसे अच्छी तकनीकें सिखाई और तैयार की जाएंगी, ताकि बिहार का गुड़ देशभर में पहचान बना सके। इस खास योजना के लिए केंद्र सरकार ने 5 करोड़ 69 लाख 65 हजार रु. की राशि मंजूर की है।

दिल्ली थोक जिंस बाजारों में बढ़े औसत दाम

शकर-दालें महंगी, गेहूं सस्ता खाद्य तेलों में मिश्रित रंगत

नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी और दालों की कीमतों में भी तेजी रही जबकि गेहूं में भी नरमी देखी गयी। खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 94 रुपये बढ़कर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 31 रुपये टूट गया और 2,851 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 42 रुपये सस्ता हुआ।

दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 198 रुपये बढ़ गयी। चना दाल 157 रुपये और मसूर दाल 130 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल 102 रुपये और उड़द दाल 32 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा आठ रिंगिट बढ़कर 4,162 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 1.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 56.19 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 131 रुपये और पाम ऑयल की 102 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। सूरजमुखी तेल में 45 रुपये और मूंगफली तेल में 30 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वनस्पति की कीमत 88 रुपये और सरसों तेल की 39 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 118 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

सोना-चांदी के दामों में जोरदार शुरुआत

सोने का भाव 549 रुपए तेज, चांदी भी 9752 रुपए उछली

नई दिल्ली

इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोना और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव करीब 1,58,000 रुपये, जबकि चांदी के वायदा भाव लगभग 2,62,750 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,55,451 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का भाव 2,500 रुपये की बढ़त के साथ 1,57,951 रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,58,500 रुपये और निचला स्तर 1,55,546 रुपये छू लिया। बीते महीने सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 9,752 रुपये की बढ़त के साथ 2,59,887 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,49,892 रुपये था। इस समय चांदी का भाव 12,847 रुपये की तेजी के साथ 2,62,739 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 2,64,885 रुपये का उच्च और 2,59,887 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में मजबूती बनी हुई है। कॉमेक्स पर सोना 5,003.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 60.50 डॉलर की तेजी के साथ 5,040.30 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है। वहीं चांदी 78.10 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.08 डॉलर की बढ़त के साथ 80.98 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली

नए साल 2026 की शुरुआत मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा दोनों मॉडलों के लिए खासतौर पर शानदार रही। बीते महीने जनवरी में डिजायर की 19,629 यूनिट और ऑरा की 7,978 यूनिट की बिक्री हुई, जो पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी है। जनवरी 2025 में डिजायर की 15,383 यूनिट और ऑरा की 5,388 यूनिट बिकी थीं। पिछले महीनों में भी डिजायर और ऑरा ने शानदार प्रदर्शन किया। जुलाई 2025 में डिजायर की 20,895 यूनिट और ऑरा की 4,636 यूनिट बिकीं। अगस्त 2025 में डिजायर ने 16,509 यूनिट और ऑरा ने 5,336 यूनिट की बिक्री दर्ज की। सितंबर 2025 में डिजायर की 20,038 यूनिट, जबकि ऑरा की 5,387 यूनिट बिकीं। अक्टूबर 2025 में यह आंकड़े क्रमश: 20,791 और 5,815 रहे। नवंबर 2025 में डिजायर की 21,082 यूनिट और ऑरा की 5,731 यूनिट बिकीं, जबकि दिसंबर 2025 में डिजायर 19,072 और ऑरा 4,925 यूनिट पर दर्ज हुई। मारुति डिजायर अपने अपडेटेड डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स, स्टाइलिश ग्रिल, वाय-आकार की एलईडी टेललाइट्स और बूट स्पॉइलर की वजह से काफी लोकप्रिय है। इंटीरियर में बेज-ब्लैक थीम, 9-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर शामिल हैं। इसमें स्विफ्ट वाला 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 80 बीएचपी पावर और 112 एनएम टॉर्क देता है। सीएनजी वर्जन का माइलेज 33.73 किमी/किग्रा है।

आइटेल ने पेश किया ए100 स्मार्टफोन, कीमत 6,799 रुपए से शुरू

बिना नेटवर्क के भी अब कर सकेंगे कॉल

नई दिल्ली

देश की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी आईटेल ने सोमवार को नया स्मार्टफोन ए100 लॉन्च किया है, जिसकी कीमत 6,799 रुपये से शुरू है। कंपनी ने बताया कि इसमें अल्ट्रालिंक फीचर दिया गया है, जो नेटवर्क न होने की स्थिति में भी कॉल करने का विकल्प देता है। यह फीचर खास तौर पर उन उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी है, जो कम या कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में रहते हैं। ए100 को मिलिट्री ग्रेड प्रमाणन (एमआईएल-एसटीडी-810एच) के साथ बाजार में उतारा गया है जिससे यह रफ इस्तेमाल को भी झेलने में सक्षम है। आईटेल ने ए100 स्मार्टफोन को 64जीबी स्टोरेज के साथ दो रैम संस्करणों में पेश किया है। पहले संस्करण में तीन जीबी रैम है जिसे आठ जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसकी कीमत 6,799 रुपये रखी गयी है। दूसरा संस्करण चार जीबी रैम के साथ पेश किया गया है जिसे 12 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसकी कीमत 7,499 रुपये रखी गयी है। कंपनी ने 100 दिन के भीतर मुफ्त में स्क्रीन रिप्लेसमेंट सुविधा की भी घोषणा की है।

आइटेल इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरिजीत तलपतरा ने कहा, 'देश के बड़े वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए स्मार्टफोन सिर्फ एक डिवाइस नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरत है, जिससे लंबे समय तक भरोसेमंद साथ की उम्मीद की जाती है। ए100 के साथ हमने उन्हीं पहलुओं पर ध्यान दिया है, जो अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं - एक ऐसा फोन जो लंबे समय तक टिके, आकर्षक डिजाइन के साथ आये और किफायती भी हो। मिलिट्री ग्रेड मजबूती और अल्ट्रालिंक जैसे फीचर्स व्यावहारिक नवाचार पर आधारित हैं, जो आइटेल की पहचान है।' आइटेल ए100 में ऑक्टा-कोर यूनिसॉक टी7100 प्रोसेसर और एंड्रॉयड 15 गो दिया गया है, जो आसान मल्टीटास्किंग, स्मूथ गेमिंग और बिना रुकावट वीडियो कॉलिंग का अनुभव सुनिश्चित करता है। सुरक्षा और सुविधा के लिए इसमें फेस अनलॉक और साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है, जो बेहतर सुरक्षा के साथ आसान पहुंच प्रदान करता है। इसकी बैटरी 5000 एमएएच की और चार्जर 10 वाट का है। यह सिल्क ग्रीन, प्योर ब्लैक और टाइटेनियम गोल्ड रंगों में उपलब्ध है।

आइटेल ए100 की प्रमुख विशेषताएं

आइटेल ए100 में 6.6 इंच का शानदार 90 हर्ट्ज एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, दो डीटीएस-पावर्ड साउंड टेक्नोलॉजी समर्थित है। फोन में दिया गया डायनैमिक बार बैटरी स्टेटस, कॉल, नोटिफिकेशन और अन्य जानकारियों को आसान और सहज तरीके से दिखाता है। इसका रियर कैमरा आठ मेगा पिक्सल का है जो एडवांस इमेज प्रोसेसिंग की मदद से साफ और जीवंत तस्वीरें खींचता है। आईआर ब्लास्टर की सहायता से टीवी, एयर कंडीशनर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को फोन के जरिये आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस की परियोजना को जापानी बैंकों के समूह से मिला वित्त पोषण

अहमदाबाद

अडानी समूह की ऊर्जा सेवा कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने अपने प्रमुख उच्च विभवांतर दिष्ट धारा (एचवीडीसी) पारेषण परियोजना के लिए जापानी बैंकों के एक समूह से दीर्घकालिक वित्तपोषण प्राप्त किया है।

कंपनी ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह परियोजना एक हरित ऊर्जा के पारेषण का कॉरिडोर है, जिसे उत्तर भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के वितरण को मजबूत करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। यह राजस्थान के सौर ऊर्जा से भरपूर क्षेत्रों से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड तक पहुंचाने में केंद्रीय भूमिका निभायेगी। इस एचवीडीसी नेटवर्क की क्षमता प्लस/माइनस 800 केवी होगी। यह 950 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर राजस्थान के भड़ला से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर तक फैला होगा। इसके 2029 तक शुरू होने की संभावना है।उसने कहा कि यह परियोजना अडानी समूह के एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा मंच का हिस्सा है। राजस्थान कंपनी के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र बना हुआ है। राज्य से पहले से ही एईएसएल की सहायक कंपनी अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (एईएमएल) को स्वच्छ बिजली की आपूर्ति हो रही है। परियोजना का वित्त पोषण करने वाले जापानी बैंकों के समूह का नेतृत्व जापानी बैंकिंग साझेदार एमयूएफजी बैंक लिमिटेड और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) कर रहे हैं। परियोजना को जापानी कंपनी हिताची की उन्नत एचवीडीसी तकनीक का भी समर्थन प्राप्त है, जिसे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के सहयोग से प्रदान किया जा रहा है, जिससे भारत के घरेलू विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया जा रहा है।

आईसीसी के साथ बैठक में खुली पीसीबी की पोल

भारत-पाकिस्तान मैच के बदले मांगा मुआवजा

लाहौर

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई 4 घंटे की बैठक में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) का असली चेहरा बेनकाब हो गया। कोलंबो में 15 फरवरी को भारत से होने वाले मैच का 'बहिष्कार' करने की धमकी देकर पाकिस्तान अब आईसीसी से सौदेबाजी करने पर उतर आया है। बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को ढाल बनाकर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने न सिर्फ वित्तीय मुआवजे की मांग की, बल्कि भविष्य के टूर्नामेंट्स की मेजबानी का आश्वासन भी मांगा। हालांकि, आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों के उल्लंघन पर पाकिस्तान की सदस्यता रद्द की जा सकती है।

पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने रविवार आठ फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ एक बैठक की। बैठक में पाकिस्तान के उस फैसले पर चर्चा हुई जिसमें उसने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के भारत के साथ मैच का बहिष्कार करने की 'गीदड़ भभकी' दी थी। हालांकि, चार घंटे चली बैठक के बाद संयुक्त रूप से कोई बयान नहीं जारी किया गया।

सरकार से मंजूरी के बाद ही करेंगे ऐलान

रिपोर्ट में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के हवाले से लिखा गया, 'दोनों पक्ष पाकिस्तान सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही कोई ऐलान करेंगे।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आईसीसी के पास बांग्लादेश को मुआवजे के तौर पर देने के लिए कुछ नहीं था, सिवाय इसके कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उसे आईसीसी की कमाई से पूरा

[टी-20 विश्वकप] लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और ब्रैड एवंस ने लिए 3-3 विकेट

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया

कोलंबो

ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और ब्रैड एवंस (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ब्रायन बेनेट (नाबाद 48) और ब्रेंडन टेलर (रिटायर हर्ट 31) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को टी-20 विश्वकप के आठवें मुकाबले में ओमान को 39 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

104 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे को चौथे ओवर में सुफियान महमूद ने तड़िवनाशे मारुमानी (21) और डिओन मेयर्स (शून्य) को आउट कर दो झटके दिये। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये ब्रेंडन टेलर ने ब्रायन बेनेट के साथ पारी को संभाला और रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी हुई। ब्रेंडन टेलर 31 के स्कोर पर रिटायर हर्ट हुए। जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बना कर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। ब्रायन बेनेट ने 36 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाये। कप्तान सिकंदर रजा पांच रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने इस तरह अपनी पहली जीत दर्ज की। ओमान के लिए सुफियान महमूद ने दो विकेट लिए। इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ओमान की शुरुआत खराब रही और उसने अपने शीर्ष पांच बल्लेबाज 27 के स्कोर तक गंवा दिये। इसके बाद सुफियान महमूद और विनायक शुक्ला की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई। 15वें ओवर में रिचर्ड अंगारावा ने विनायक शुक्ला 21 गेंदों में (28) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में अंगारावा ने जितेन रामानंदी (एक) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। 17वें ओवर में ब्रैड एवंस ने सुफियान महमूद (25) को अपना शिकार बना लिया। नदीम खान ने 18 गेंदों में 20 रन बनाये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ओमान की पूरी टीम 19.5 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और ब्रैड एवंस ने तीन-तीन विकेट लिये। सिकंदर रजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हर्षित राणा की हुई सफल सर्जरी

बेंगलुरु

तेज गेंदबाज हर्षित राणा, जो चोट के कारण पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए थे, ने रविवार को भारतीय क्रिकेट फ़ैंस के लिए राहत की खबर दी, जब उन्होंने बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही है।

हर्षित ने सोशल मीडिया पर हॉस्पिटल से एक फोटो शेयर की, मुस्कुराते हुए और फैंस को अपनी हालत के बारे में अपडेट करते हुए। युवा पेसर ने कहा कि उनका फोकस अब दो मिशन पर है- जल्दी ठीक होना और टीम इंडिया में वापसी। उनके पॉज़िटिव अपडेट ने भारतीय कैंप की चिंताओं को कम कर दिया है, टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में जल्द वापसी करेंगे। भारत के सबसे होनहार तेज गेंदबाज़ों में से एक माने जाने वाले हर्षित पिछले दो सालों से नेशनल सेटअप में रेगुलर रहे हैं और उन्हें भविष्य का स्टार माना जाता है। हालांकि, मेगा इवेंट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले उनके घुटने में चोट लग गई, जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। यह चोट टी-20 वर्ल्ड कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के दौरान लगी थी।

कॉम्प्लान ने वैभव को बनाया ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली

जाइडस वेलनेस के न्यूट्रिशनल ड्रिंक ब्रांड, कॉम्प्लान ने भारतीय क्रिकेट के होनहार और सबसे कम उम्र के शतकवीर वैभव सूर्यवंशी को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बच्चों की न्यूट्रिशन कैटेगरी में ब्रांड की अहमियत को मजबूत करने के लिए एक स्ट्रेटेजिक कदम के तौर पर, इस अपॉइंटमेंट को कॉम्प्लान के नए नेशनल कैंपेन, 'थोड़ा प्लान, थोड़ा कॉम्प्लान' के लॉन्च के साथ सपोर्ट किया गया है।

कॉम्प्लान के इस लंबे समय से चले आ रहे विश्वास को दिखाते हुए कि बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने और उन्हें पूरा करने के लिए मजबूत बनाया जाना चाहिए, यह कैंपेन इस विश्वास पर बना है कि रोज़ाना की प्लानिंग, मांओं के लगातार सपोर्ट और सही न्यूट्रिशन पार्टनर से बड़े सपने पूरे होते हैं। वैभव सूर्यवंशी का सफ़र इसी विश्वास से काफी मिलता-जुलता है। उनका शुरुआती डिसिप्लिन, कड़ी तैयारी और लगातार फोकस दिखाता है कि कैसे स्ट्रक्चर्ड रूटीन, लगातार कोशिश और माँओं के लगातार गाइडेंस से, जिसे पूरे न्यूट्रिशन का सपोर्ट मिलता है, एम्बिशन को आकार मिलता है।

डबरा में नवनिर्मित नवग्रह शक्ति पीठ में कलश वितरण कार्यक्रम में एक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा डबरा की घटना में मृतक के परिजन को 4 लाख रुपए एवं गंभीर तीन घायलों को एक - एक लाख रुपए देने की घोषणा

निःशुल्क उपचार की व्यवस्था के दिए निर्देश

ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को ग्वालियर जिले के डबरा में नवनिर्मित नवग्रह शक्ति पीठ में कलश वितरण कार्यक्रम में हुई दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटना में एक मृतक के परिजन को 4 लाख रुपए एवं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एक - एक लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही गंभीर सभी घायलों का निःशुल्क उपचार कराने के निर्देश भी दिए हैं।

ग्वालियर जिले के डबरा में मंगलवार को नवग्रह शक्ति पीठ में कलश वितरण के अवसर पर हुई दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु एवं दो महिलायें व एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई हैं। इसके साथ ही चार अन्य महिलाओं को मामूली चोट आई है। घटना में गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं एवं एक बच्ची को तत्काल ग्वालियर स्थित अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार प्रारंभ कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ग्वालियर स्थित एप्पल अस्पताल एवं जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुँचीं और घटना में घायल मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि घायलों का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इसके पश्चात डबरा पहुंचकर नवग्रह शक्ति पीठ पर आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डबरा चिकित्सालय पहुँचकर चिकित्सकों से भी चर्चा की। चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि सुबह की घटना में चार महिलाओं को मामूली चोट आई थी, जिनका उपचार किया गया। उपचार के पश्चात चारों महिलायें अपने निवास के लिये रवाना हो गई हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने डबरा में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया है कि धार्मिक आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके पुख्ता प्रबंध किए जाएं। सुरक्षा की दृष्टि से भी पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर हर संभव प्रयास किए जायें। इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। डबरा निरीक्षण के दौरान एडिशनल कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, एडीएम श्री सी बी प्रसाद, डबरा एसडीएम सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने घायलों के निःशुल्क उपचार के दिए निर्देश

जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने घटना की सूचना मिलते ही चिंता व्यक्त करते हुए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की और घायलों के समुचित उपचार के दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी चर्चा कर मृतक के परिजनों एवं घायलों को शासन की ओर से सहायता देने का आग्रह किया।

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्राम सोमलवाड़ाखुर्द में एक घर के पुराने बोरवेल से पिछले एक महीने से लगातार गर्म पानी निकल रहा है। शुरुआत में लोग इसे चमत्कार समझ रहे थे, लेकिन अब यह स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। पानी की जांच में पीएच, टीडीएस और हार्डनेस तय सीमा से काफी ज्यादा पाई गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस पानी में सल्फर की मात्रा अधिक हो सकती है, जिससे त्वचा रोग, दिल की बीमारी और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। मजबूरी में परिवार पीने का पानी दूसरे घरों से ला रहा है। इस घटना से पूरे गांव में डर का माहौल है।

91 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा में हुई कक्षा 12वीं की परीक्षा

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिक्षा नगर स्कूल में परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

ग्वालियर

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकेण्ड्री व हाईस्कूल परीक्षा दिनांक 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक 91 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किया गया। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने शिक्षा नगर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और वहां पर सभी व्यवस्थाओं को देखा।

मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हो गई हैं। प्रथम दिन कक्षा 12 वीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। परीक्षा के लिए शिक्षानगर में बनाए गए परीक्षा केंद्र का कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने निरीक्षण कर परीक्षा केंद्र में सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने परीक्षा केन्द्रों पर कानून व्यवस्था की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत समस्त परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर के दायरे में 4 या 4 से अधिक व्यक्तियों के समूह के रूप में या अन्य किसी प्रकार से एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगाया है।

शिक्षा मनुष्य को मानसिक व आर्थिक आत्मनिर्भरता देती है : डॉ. वैद्य

ग्वालियर

विद्यार्थी जीवन बीते हुए कल की त्रुटियों को स्मरण करने, वर्तमान में उन त्रुटियों को दूर कर अपने भविष्य को सुघड़ बनाने की अनंत सम्भावनाओं से परिपूर्ण होता है और माधव महाविद्यालय में आयोजित स्व बोध से विश्व बोध की ओर जैसे शिविर इन सम्भावनाओं को विकसित करने का, समृद्ध करने का काम बड़े सार्थक रूप में सम्पन करते हैं।

यह बात माधव महाविद्यालय के व्यक्तित्व विकास,कौशल विकास एवं चेतना जागरुकता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित पांच दिवसीय शिविर के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद मध्य भारत प्रान्त अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव डॉ.राजेन्द्र वैद्य ने शिक्षा के व्यक्तित्व निर्माण में योगदान के सम्बन्ध में बात रखते हुए कहा कि शिक्षा का अर्थ है व्यक्ति मानसिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ.संतोष शर्मा ने कहा कि सामूहिक रूप से किए जाने वाले सभी आयोजनों का उद्देश्य व्यक्ति के आचरण को आकार देना होता। कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. मंदाकिनी शर्मा ने पांच दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर के इस समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा व्यंजन और प्रदर्शनी के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन भी किया गया।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर

कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में मंगलवार को आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक - एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया।

प्रभारी मंत्री सिलावट 12 फरवरी को ग्वालियर भ्रमण पर रहेंगे

ग्वालियर। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 12 फरवरी को ग्वालियर भ्रमण पर रहेंगे। ग्वालियर जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इसके साथ ही गत दिनों ग्वालियर में ओलावृष्टि से प्रभावित हुए किसानों से मुलाकात करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट 12 फरवरी को प्रातः ग्वालियर आकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। साथ ही ओला प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर प्रभावित किसानों से रूबरू होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट शहर विकास के कार्यों का अवलोकन करने के साथ ही जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

मिर्गी कोई डर या भ्रम नहीं, उपचार से संभव सामान्य जीवनः डॉ. आभास कुमार

ग्वालियर। 'विश्व मिर्गी दिवस' के अवसर पर आर जे एन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आभास कुमार ने कहा कि मिर्गी (एपिलेप्सी) एक आम लेकिन गलतफहमियों से घिरी न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। उन्होंने बताया कि मिर्गी न तो छूने से फैलती है और न ही यह कोई मानसिक रोग है। समय पर सही जांच और नियमित उपचार से मिर्गी से पीड़ित अधिकांश मरीज सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। डॉ. आभास कुमार ने बताया कि मिर्गी के दौरान मरीज को बेहोशी, शरीर में झटके, अकड़न, बोलने या समझने में परेशानी के साथ दौरे के बाद भ्रम और अत्यधिक थकान महसूस हो सकती है। इसके प्रमुख कारणों में सिर में गंभीर चोट, दुर्घटना, जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी, मस्तिष्क संक्रमण, स्ट्रोक या मस्तिष्क में गांठ शामिल हैं, हालांकि कई मामलों में कारण स्पष्ट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि सही दवाइयों और नियमित चिकित्सकीय निगरानी से लगभग 70 से 80 प्रतिशत मरीजों में मिर्गी पूरी तरह नियंत्रित की जा सकती है। ग्वालियर एवं आसपास के क्षेत्र के मरीजों के लिए यह राहत की बात है कि आर जे एन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में अब ईईजी, वीडियो ईईजी मॉनिटरिंग, मस्तिष्क का एमआरआई (एपिलेप्सी प्रोटोकॉल), सीटी स्कैन सहित मिर्गी की आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।

केआरजी महाविद्यालय में दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

भौतिक विज्ञान विकसित भारत की रीढ़ की हड्डी

ग्वालियर

शासकीय केआरजी महाविद्यालय में भौतिक विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में किया गया , जिसका विषय था फ्रंटियर्स एंड इनोवेशंस इन फिजिकल साइंस एंड न्यू एज टेक्नोलॉजीज। उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन द्वारा प्रायोजित इस कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि प्रो.श्रीनिवास सिंह डायरेक्टर अटल बिहारी वाजपेयी ट्रिपल आईटीएम ग्वालियर, कॉन्फ्रेंस के प्रमुख संरक्षक प्रो. के. रत्नम अतिरिक्त संचालक ग्वालियर चम्बल संभाग उच्च शिक्षा, प्राचार्या एवं संरक्षक डॉ. साधना श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि प्रो. डीसी गुप्ता भौतिक विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, मुख्य वक्ता प्रो पीआर सगदेव भौतिक विभाग आईआईटी इंदौर, डॉ. ऋतुराज शर्मा सीएसएआर आईपीएस अकादमी इंदौर, प्रो. राजेश कुमार भौतिक विभाग आईआईटी इंदौर मंचासीन थे। इस अवसर पर प्रो के रत्नम ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में भौतिक विज्ञान विकसित भारत की रीढ़ की हड्डी है। ऊर्जा और नैनो तकनीक सभी की जन्म भौतिक विज्ञान से हुआ है। मुख्यातिथि प्रो श्रीनिवास सिंह ने आधुनिक युग के तकनीकी उपादानों को भारतीय ज्ञान परम्परा से जोड़ते हुए विस्तार से प्रकाश डाला। प्रख्यात भौतिक शास्त्री डॉ. डीसी गुप्ता ने कहा कि एआई, नैनो साइंस, सेमी कंडक्टर,स्मार्ट सेंसेज आदि सभी का प्रमुख अंग भौतिकी है। मानवता के विकास में तथा इलेक्ट्रॉनिक ग्लोबल सिस्टम को आकार देने में फिजिक्स फ्रंटियर्स रिसर्च का बहुत बड़ा योगदान है। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. सूर्यकांत मिश्रा लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेट्री यूएसए द्वारा ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

बच्चों ने नृत्य-नाटक से दिखाया पारिवारिक स्नेह वार्षिक उत्सव में जीवंत हुए रिश्तों के रंग

ग्वालियर

आनंद नगर स्थित वीनस पब्लिक स्कूल में गत दिवस वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें रिश्तों की महत्ता को केंद्र में रखकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विद्यार्थियों ने दादा-दादी, नाना-नानी, चाचा-चाची, मामा-मामी, ताऊ-ताई, बुआ-फूफा एवं मौसी-मौसा जैसे पारिवारिक रिश्तों को नृत्य-नाटक व गीत-संगीत के माध्यम से आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। बच्चों ने नृत्य और अभिनय के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक भी स्वयं प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की गरिमा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।

इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि विद्यालय में बच्चों को पुस्तक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बदलते समय और एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण पारिवारिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं, ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को रिश्तो की अहमियत समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, आईजी अरविंद सक्सेना, भाजपा युवा नेता रामू तोमर एवं विद्यालय प्रबंधक डॉ.विवेक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

गायन में देवता की तरह हैं सभी सुर, प्रस्तुति देते समय किसी भी सुर को न छोड़ें अधूरा

ग्वालियर

गायन संगीत की वह विधा है जिसमें मानव कंठ से स्वर, लय और ताल के माध्यम से संगीतमय ध्वनियां उत्पन्न की जाती हैं, जो रागों और भावनाओं को प्रकट करती हैं। यह संगीत का सबसे प्राचीन रूप है। गायन में हर सुर का अपना महत्व है और समस्त सुर देवता की तरह होते हैं इसलिए गायन की प्रस्तुति देते वक्त किसी भी सुर को अधूरा न छोड़ें। यह बात पुणे से आईं विदुषी वीणा सहस्त्रबुद्धे जी की शिष्या व वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका उर्वशी शाह ने कही। वह राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में चल रही विस्तार व्याख्यान माला श्रृंखला के अंतर्गत गायन विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान सह प्रदर्शन में बतौर विषय विशेषज्ञ बोल रही थीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को गायन की बारीकियों से परिचित भी कराया और गायन की बंदिशें भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने की। इस अवसर पर कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे, गायन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह, अकादमिक शाखा प्रभारी डॉ. मनीष करवड़े, सांस्कृतिक समिति समन्वयक डॉ. पारुल दीक्षित के साथ डॉ. श्याम रस्तोगी, पीआरओ कुलदीप पाठक सहित समस्त संगतकार, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वामी एवं प्रकाशक गुरुशरण सिंह अहलुवालिया द्वारा शर्मा ऑफसेट एण्ड प्रिंटर्स H.O NO. 67 घोसीबाडा दानाओली लश्कर ग्वालियर मप्र, 474001 से मुद्रित एवं एम-3/19 ब्लू लोटस हिल कॉलोनी सिरोल रोड ग्वालियर मप्र 474006 से प्रकाशित। संपादक-गुरुशरण सिंह अहलुवालिया, 9425127301, ईमेल sititoday2008@gmail.com (सभी विवादों के लिए न्यायालीन क्षेत्र ग्वालियर होगा) PRGI NO. MPHIN/2009/31963